PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 168 ● भिलाई, गुरुवार 08 जनवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

मेरिट में आगे तो जनरल कैटेगरी की नौकरी में भी एससी एसटी ओबीसी का हक: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के अहम फैसले को बरकरार रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि आरक्षित श्रेणी से संबंधित वे अभ्यर्थी, जो जनरल/ओपन कैटेगरी की कट-ऑफ से अधिक अंक प्राप्त करते हैं और किसी विशेष रियायत का लाभ नहीं लेते, उन्हें उनकी आरक्षित श्रेणी तक सीमित नहीं किया जा सकता। ऐसे उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्टिंग के चरण पर भी ओपन कैटेगरी में शामिल किया जाना अनिवार्य है।यह मामला अगस्त 2022 में राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा शुरू की गई भर्ती प्रक्रिया से जुड़ा है, जिसमें 2,756 पदों (जूनियर ज्यूडिशियल असिस्टेंट और क्लर्क ग्रेड-के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे।

मैं सीएम की तरह नहीं, एक विनम्र सिख की तरह नंगे पांव अकाल तख्त पर जाऊंगा: सीएम मान

अमृतसर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को 15 जनवरी को श्री अकाल तख्त साहिब के सचिवालय में पेश होने के लिए तलब किया गया है। वहीं इस पूरे घटनाक्रम पर मुख्यमंत्री भगवंत मान का बयान सामने आया है। सीएम भगवंत मान ने कहा श्री अकाल तख्त साहिब से आया हुक्म सिर-मत्थे, दास मुख्यमंत्री नहीं बल्कि एक विनम्र सिख की तरह नंगे पैर चलकर हाजिर होगा। 15 जनवरी को राष्ट्रपति गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर में कान्फ्रेंस में हिस्सा लेने के लिए आ रही हैं, उस दिन के लिए माफी मांगता हूं। मेरे लिए सबसे ऊंचा श्री अकाल तख्त साहिब जी और पावन तख्त साहिब से हुक्म आया है। यह हुक्म सिर मत्थे है, था और रहेगा। गौरतलब है कि 15 जनवरी को राष्ट्रपति गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर में एक कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने आ रही हैं। इस बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति के प्रोग्राम में शामिल न हो पाने के लिए वह माफी मांगते हैं।

पाकिस्तान का अवैध कब्जा है.... पूरा जम्मू-कश्मीर भारत के साथ मिलना चाहिए

नई दिल्ली। ब्रिटेन के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने जम्मू और कश्मीर के पूरे क्षेत्र को भारत का अभिन्न हिस्सा बताते हुए इसके पूर्ण एकीकरण की पैरवी की है। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों पर पाकिस्तान के कब्जे का विरोध करते रहे हैं। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का भी उल्लेख किया और कहा कि वह दशकों पहले से इस प्रावधान को समाप्त करने के पक्षधर रहे हैं। ब्लैकमैन ने कहा कि उन्होंने अनुच्छेद 370 को हटाने की मांग केवल तब नहीं की थी, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे अपने चुनावी घोषणापत्र में शामिल किया और लागू किया। उन्होंने बताया कि वह वर्ष 1992 में भी इस मुद्दे को उठा चुके हैं,।

नए साल पर पीएम मोदी-नेतन्याहू की बातचीत

आतंकवाद समेत कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा की गई

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने फोन पर एक-दूसरे से बातचीत की। इस बातचीत के दौरान दोनों नेताओं के बीच रणनीतिक साझेदारी और काउंटर टेररिज्म जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने खुद इसकी जानकारी दी। पीएम मोदी ने इजरायली प्रधानमंत्री और वहां की जनता को नए साल की शुभकामनाएं दीं पीएम मोदी ने इजरायली प्रधानमंत्री और वहां की जनता को नए साल की शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय हालात पर भी चर्चा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी ने इसकी जानकारी देते हुए लिखा, अपने दोस्त, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात करके और उन्हें व इजरायल के लोगों को नए साल की बधाई देकर खुशी हुई। हमने आने वाले साल में इंडिया-इजरायल रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। हमने क्षेत्र के हालात पर भी अपने विचार शेयर किए और आतंकवाद से और मजबूती से लड़ने के अपने इरादे को दोहराया। इससे पहले दोनों देशों के प्रधानमंत्री ने पिछले साल 10 दिसंबर 2025 को एक-दूसरे से फोन पर बात की थी। पीएम नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया था, और दोनों नेताओं ने भारत-इजरायल रणनीतिक साझेदारी में निरंतर प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने आपसी हितों के लिए इन संबंधों को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई इसके अलावा, पीएम मोदी और नेतन्याहू ने आपसी हितों के लिए इन संबंधों को और

मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई थी। दोनों नेताओं ने आतंकवाद की घोर आलोचना की और आतंकवाद के हर रूप और अभिव्यक्ति के प्रति किसी भी तरह की नरमी न बरतने की अपनी नीति को दोहराया। उन्होंने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में निष्पक्ष और स्थायी शांति के प्रयासों, जिसमें गाजा शांति योजना का शीघ्र कार्यान्वयन शामिल है, के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की। दोनों नेताओं ने लगातार एक-दूसरे के संपर्क में बने रहने पर सहमति व्यक्त की। बता दें, इजरायली पीएम 2025 के दिसंबर में भारत का दौरा करने वाले थे, लेकिन किसी कारणवश इसे रद्द कर दिया गया। इसे लेकर काफी चर्चाएं भी हो रही थीं, क्योंकि यह तीसरी बार था जब इजरायली पीएम की भारत यात्रा टाली गई। चूंकि दिल्ली में लाल किला के पास नवंबर 2025 को धमाका भी हुआ था, ऐसे में उनके इस दौरे को सुरक्षा के दृष्टिकोण से जोड़कर देखा जा रहा था। इससे पहले बीते साल दिसंबर के दूसरे हफ्ते में इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने पीएम मोदी को फोन किया था। इस दौरान दोनों नेताओं ने दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर बातचीत की थी। इस बाचतीच में भी दोनों नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी दोहराई थी।

आतंकवाद के खिलाफ साझा रणनीति पर जोर

बातचीत के दौरान क्षेत्रीय हालात पर भी विचार-विमर्श किया गया। दोनों देशों के नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफमिलकर और अधिक दृढ़ता से लड़ने के अपने साझा संकल्प को दोहराया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इजरायल सुरक्षा और स्थिरता को लेकर एक-दूसरे के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। यह बातचीत ऐसे समय हुई है, जब हाल के महीनों में प्रधानमंत्री मोदी और नेतन्याहू के बीच कई उच्चस्तरीय संवाद हो चुके हैं। दिसंबर में भी नेतन्याहू ने पीएम मोदी से बातचीत कर द्विपक्षीय सहयोग और पश्चिम एशिया के हालात, खासतौर पर गाजा से जुड़े घटनाक्रमों पर चर्चा की थी। दोनों नेताओं ने तब भी रणनीतिक साझेदारी की निरंतर प्रगति पर संतोष जताया था और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने की बात कही थी।

हिंदुओं की सुरक्षा पर जताई चिंता

चुप नहीं बैठ सकते बांग्लादेश हिंसा पर भड़के रॉबर्ट वाड्रा....

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को लेकर कारोबारी और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों की वह कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। वाड्रा ने साफकहा कि किसी देश की राजनीतिक अस्थिरता, प्रशासन की नाकामी या वैचारिक बदलाव किसी भी समुदाय पर हिंसा को सही नहीं ठहरा सकते। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि यह पूरी तरह अस्वीकार्य है कि किसी दूसरे देश की आंतरिक अव्यवस्था का नुकसान भारतीयों, खासकर हिंदुओं को उठाना पड़े। उन्होंने जोर देकर

कहा कि मानवाधिकारों और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को किसी भी हालत में राजनीतिक अराजकता की भेंट नहीं चढ़ाया जा सकता। वाड्रा का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर लगातार हमलों की खबरें सामने आ रही हैं।

नई दिल्ली में दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान आम आदमी पार्टी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के विधायकों ने पोस्टर पकड़े हुए हैं।

बजट पर बड़ा फैसला

इस बार रविवार को जारी होगा या बदलेगी परंपरा ?

नई दिल्ली। देश का आम बजट हर साल 1 फरवरी को पेश होता है। इस बार बजट की तारीख को लेकर कन्फ्यूजन है। वजह है कि 1 फरवरी 2026 रविवार को पड़ रहा। इस दिन गुरु रविदास जयंती के चलते गजेटेड हॉलिडे भी है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल है कि क?या इस बार भी बजट 1 फरवरी को पेश होगा या छुट्टी के चलते 9 साल पुरानी परंपरा बदल जाएगी? बहरहाल, आज इसका जवाब सबको मिल जाएगा। आज इस मामले में कैबिनेट कमेटी ऑन पार्लियामेंट्री अफेयर्स की बैठक है। इसमें बजट की तारीख पर फैसला होने की

उम्मीद है। कैबिनेट कमेटी ऑन पार्लियामेंट्री अफेयर्स की बैठक में बजट की तारीख पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है। की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करते हैं। सूत्रों के मुताबिक सरकार 1 फरवरी को बजट पेश करने की परंपरा को तोड़ना नहीं चाहती।

आवारा कुत्तों पर तीखी बहस

सिब्बल बोले.....मुझे तो नहीं काटा कोर्ट ने कहा-आप खुशकिस्मत हो

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दो दिनों तक आवारा कुत्तों को लेकर आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच सियासी घमासान जारी रहा। सुप्रीम कोर्ट ने भी आज बुधवार को आवारा कुत्तों से जुड़े मामले की सुनवाई की। शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट किया कि उसका संशोधित आदेश संस्थागत क्षेत्रों तक सीमित है, सार्वजनिक सड़कों तक नहीं। तो फिर इन स्थानों से उन्हें हटाने पर क्या आपत्ति जो सकती है। पीठ ने आगे कहा कि स्कूलों, अस्पतालों या अदालतों के अंदर आवारा कुत्ते क्यों मौजूद होने चाहिए। अदालत ने सवाल पूछा कि अगर इन्हें

हटाया जाए तो क्या आपत्ति हो सकती है। इस पर कुत्तों के फेवर में बहस कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलीलें पेश करनी शुरू कर दी। कपिल सिब्बल ने कहा कि जब मैं मंदिरों वगैरह में गया हूं तो किसी ने नहीं काटा। इस पर अदालत ने जवाब दिया कि आप खुशकिस्मत हैं, लेकिन लोगों और बच्चों को काटा जा रहा है। लोग मर भी रहे हैं। कपिल सिब्बल ने कहा कि पशु जन्म नियंत्रण औश्र सीएसआरवी प्रक्रियाएं धीरे धीरे आवारा कुत्तों को खत्म कर देंगी। इन मॉडलों का सफलतापूर्वक परीक्षण हो चुका है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे बड़े देश में आवारा कुत्तों को हटाना मौजूदा समस्याओं को बढ़ा सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि आवारा कुत्ते शहरी पारिस्थितिक तंत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अचानक से हटाने पर इसके दुष्प्रभाव उत्पन्न हो सकते हैं। कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि अगर कोई कुत्ता आक्रामक है।

आपने भगवान को भी नहीं छोड़ा', सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी मामले में सुप्रीमकोर्ट ने याचिकाकर्ता को लगाई फटकार

नई दिल्ली। सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी के मामले में देवास्वोम बोर्ड के पूर्व सदस्य केपी शंकर दास को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। शीर्ष अदालत ने उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें शंकर दास ने केरल हाईकोर्ट के आदेश में उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों को हटाने की मांग की थी। जस्टिस दीपांकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि आपने भगवान को भी नहीं छोड़ा। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि देवास्वोम बोर्ड के सदस्य के तौर पर शंकर दास की जिम्मेदारी बनती है ।और वे चोरी के मामले में अपनी भूमिका से पल्ला नहीं झाड़ सकते, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया।

यूपी सरकार का बड़ा फैसला

असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा को निरस्त करने का दिया आदेश

लखनऊ/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश में होने वाली समस्त भर्तियों/चयन प्रक्रियाओं को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण बनाए रखने के प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध है। इसी प्रतिबद्धता के अनुरूप नकल माफियाओं के विरुद्ध अभिसूचना संकलन करते हुए एसटीएफ उत्तर प्रदेश को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा विज्ञापन संख्या-51 के अंतर्गत सहायक आचार्य पद हेतु अप्रैल 2025 में आयोजित परीक्षा के संबंध में अनियमितताओं/ धांधली एवं अवैध धन वसूली से जुड़ी सूचनाएं प्राप्त हुईं। प्रकरण की

गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश द्वारा मामले की गोपनीय जांच के आदेश दिए गए। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर कार्यवाही करते हुए दिनांक 20-04-2025 को यूपी एसटीएफ को उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग प्रयागराज द्वारा दिनांक 16-04-2025 व 17-04-2025 को आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा का फर्जी प्रश्नपत्र बनाकर अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले गैंग के तीन अभियुक्तों- महबूब अली, बैजनाथ पाल एवं विनय पाल-को परीक्षा में धांधली एवं अवैध धन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में यूपी एसटीएफद्वारा थाना विभूतिखंड, जनपद लखनऊ पर मु.अ.सं. 144/25, धारा 112, 308(5), 318(4) भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस.), 2023, अभियोग पंजीकृत कराया गया। जांच की निष्पक्षता एवं गोपनीयता सुनिश्चित रखने के उद्देश्य से तत्कालीन आयोग की अध्यक्ष से त्यागपत्र लिया गया था।

दिल्ली तुर्कमान गेट हिंसा-उपद्रवियों की पहचान का काम जारी

पत्थरबाजों के खिलाफ कार्रवाई,10 लोग हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली/ एजेंसी

राजधानी दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने के अभियान ने हिंसक रूप ले लिया। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत देर रात यह कार्रवाई शुरू की थी। हालांकि, स्थानीय लोगों ने इस अभियान का विरोध किया, जिसके बाद स्थिति बेकाबू हो गई। विरोध कर रहे लोगों की भीड़ ने पुलिस और एमसीडी की टीम पर पथराव कर दिया। इस हिंसक घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल पैदा हो गया। दिल्ली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को नियंत्रित कर लिया। पथराव की इस घटना में पांच पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और उपद्रवियों की पहचान का काम तेजी से जारी है। प्रारंभिक जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कई उपद्रवियों को हिरासत में भी लिया गया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जो भी लोग इस घटना में शामिल पाए जाएंगे, उनके खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई न्यायालय के आदेश पर की जा रही थी, लेकिन कुछ लोगों ने इसे हिंसक रूप देकर कानून व्यवस्था को चुनौती दी। दिल्ली पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। लगभग 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से पत्थर फेंकने वालों की पहचान की जा रही है। एफआईआर फिलहाल अज्ञात लोगों के खिलाफ है, हालांकि पुलिस ने चार से

पांच संदिग्धों की पहचान कर ली है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट डीसीपी नितिन वलसन ने कहा, 'रात में एमसीडी के कर्मचारी जेसीबी लेकर आए थे। हमने लोगों को बताया कि यह कोर्ट का आदेश है और वे इसके खिलाफ अपील कर सकते हैं। उन्होंने अपील की, लेकिन उन्हें स्टे ऑर्डर मिला। 25-30 लोगों ने पुलिस पर पत्थरबाजी की। जवाबी कार्रवाई में, हमने उन्हें पीछे हटाने के लिए बल का इस्तेमाल किया। इस पत्थरबाजी में पांच पुलिस अधिकारी घायल हो गए। उन्हें मामूली चोटें आई हैं। हमने संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है और पांच लोगों को हिरासत में लिया है। तोड़फोड़ का काम एमसीडी कर रही है। जितना काम होना था, उतना हो गया है, और काम अभी भी जारी है। हमने कल ड्रोन कैमरे भी लगाए थे, हम सभी कैमरों की जांच कर रहे हैं।' प्रशासनिक कार्रवाई शुरू होते ही स्थानीय लोगों ने इसका कड़ा विरोध किया। देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई और कुछ उपद्रवियों ने पुलिस टीम पर पथराव करना शुरू कर दिया। माहौल को बिगड़ता देख पुलिस ने सीमित और संतुलित बल का प्रयोग किया। भीड़ को खदेड़ने के लिए सुरक्षाबलों को आंसू गैस के गोले भी दागने पड़े। सेंट्रल रेंज के जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस मधुर वर्मा के अनुसार, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे क्षेत्र को 9 जोन में विभाजित किया गया था और प्रत्येक जोन की निगरानी अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त स्तर के अधिकारी को सौंपी गई थी।

विरोध, पथराव और आंसू गैस के गोले

जैसे ही तोड़फोड़ की प्रक्रिया शुरू हुई, पुरानी दिल्ली के कुछ इलाकों में तनाव फैल गया और स्थानीय लोगों ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। स्थिति तब और बिगड़ गई जब भीड़ में से कुछ उपद्रवियों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया। इस हमले में पांच पुलिसकर्मी मामूली रूप से घायल हुए हैं। भीड़ को तितर-बितर करने और स्थिति पर काबू पाने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। सेंट्रल रेंज के जॉइंट कमिश्नर ऑफपुलिस मधुर वर्मा ने बताया कि बल प्रयोग के बाद स्थिति को तुरंत सामान्य कर लिया गया था। इस कार्रवाई के कारण मध्य दिल्ली के कई इलाकों में यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी कर यात्रियों को जेएलएन मार्ग अजमेरी गेट और मिंटो रोड जैसे रास्तों से बचने की सलाह दी है।

राजनांदगांव महापौर मधुसूदन यादव ने लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप दी शुभकामनाएं

लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज के कैलेण्डर की प्रशंसा की

राजनांदगांव महापौर मधुसूदन यादव लोकतंत्र प्रहरी का कैलेण्डर विमोचन करते हुए।

दुर्ग/राजनांदगांव। लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज का प्रकाशित वार्षिक कैलेण्डर में हिन्दू नववर्ष, धार्मिक तिथियों तीज-त्योहारों एवं ,शासकीय अवकाशों के प्रकाशित की गई है। जिसका विमोचन बुधवार को राजनांदगांव के महापौर मधुसूदन यादव के करकमलों द्वारा किया गया। बुधवार को लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रधान संपादक एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज दुर्ग के चेयरमैन संजय तिवारी अपनी टीम के साथ महापौर मधुसूदन यादव के कार्यालय पर जाकर नव प्रकाशित कैलेण्डर उन्हें भेंट किया।

इस दौरान चर्चा करते हुए महापौर ने लोकतंत्र प्रहरी अखबार सहित कैलेण्डर के प्रकाशन पर प्रधान संपादक सहित टीम को बधाई के साथ शुभकामनाएं दी। और कैलेण्डर के ले-आउट की प्रशंसा की।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर कमल किशोर शर्मा, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाज सेवी विष्णु पाठक, एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस. आर. हॉस्पिटल एवं कॉलेज के चेयरमैन संजय तिवारी सहित अन्य उपस्थित थे।

बता दें, कैलेंण्डर के ले-आउट और संपूर्ण तरह जानकारियों से भरे होने की वजह से आम जनता के बीच काफी कम समय में लोकप्रिय हो रहा है।आज दुर्ग भिलाई सहित अन्य शहरों के शासकीय दफ्तरों के अलावा प्रतिष्ठानों सहित घरों में लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज की प्रकाशित कैलेण्डर का लेआउट चर्चित हो रहा है।

जल जीवन मिशन से ग्रामवासियों को मिल रही राहत, घर-घर पहुंच रहा शुद्ध पेयजल

सुकली बाई की खत्म हुई पानी की परेशानी, घर में ही मिलने लगा शुद्ध पेयजल

कवर्धा। जल जीवन मिशन गांवों के लिए बहुत बड़ी राहत बन गया है। इस योजना से अब ग्रामीण परिवारों को अपने घर में ही साफ और सुरक्षित पीने का पानी मिलने लगा है। इससे वर्षों से चली आ रही पानी की समस्या से लोगों को स्थायी राहत मिली है। रोजाना शुद्ध पानी मिलने से ग्रामीणों का जीवन अब पहले से ज्यादा आसान और सुरक्षित हो गया है। पहले गांवों में पानी के लिए लोगों को दूर-दूर तक जाना पड़ता था। खासकर महिलाओं को रोज कई किलोमीटर पैदल चलकर पानी लाना पड़ता था। इससे उनका समय, मेहनत और सेहत तीनों प्रभावित होते थे। पानी की कमी के कारण खाना बनाने, सफाई रखने और पशुओं की देखभाल जैसे कामों में भी काफी परेशानी होती थी। पानी हमारे जीवन की सबसे जरूरी जरूरत है। सुबह से लेकर रात तक हर काम में पानी चाहिए। पानी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसी जरूरत को समझते हुए सरकार ने ÷हर घर जल के लक्ष्य के साथ जल जीवन मिशन शुरू किया, ताकि गांव-गांव तक पीने का पानी पहुंचाया जा सके। इसी योजना से लाभ पाने वाली कबीरधाम जिले के पंडरिया विकासखंड की ग्राम पंचायत खाम्ही के आश्रित ग्राम रोखनी की रहने वाली सुकली बाई बताती हैं कि उम्र बढ़ने के कारण उनके लिए दूर से पानी लाना बहुत मुश्किल हो गया था। नहाने, खाना बनाने और मवेशियों के लिए पानी जुटाना भी बड़ी समस्या थी। घर में पानी नहीं होने से रोजमर्रा के सभी काम प्रभावित होते थे। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत घर में नल कनेक्शन मिलने के बाद अब उन्हें पानी के लिए कहीं जाना नहीं पड़ता। घर में ही पर्याप्त मात्रा में साफ पानी मिल रहा है। जिससे उनका जीवन अब पहले से कहीं ज्यादा आसान और सुरक्षित हो गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ दल्ली राजहरा ने सावित्री फुले की 195वी जयंती मनाई

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ दल्ली राजहरा द्वारा सावित्री फुले की 195वी जयंती मनाई गई। यूनियन के अध्यक्ष राजेंद्र बेरा ने बताया कि ब्रिटिश शासन काल में दलितों पिछड़ों में शिक्षा में क्रांति लाने वाले हमारे फूले दंपति का बहुत बड़ा योगदान रहा है। महिलाओं के लिए पहली स्कूल भिड़ेवाड़ी, पुणे में सन 1848 में खोली गई थी। सावित्रीबाई फुले के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाली उनकी साथी फातिमा शेख का भी शिक्षा में बहुत बड़ा योगदान रहा है। भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले ही थी। बेहरा ने कहा कि अगर राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले न होती तो हमारे देश में महिला आईएएस, आईपीएस सीएम, पीएम, राष्ट्रपति ना बनते हैं उनकी ही देन है। इस जयंती में शामिल यूनियन के पदाधिकारी अध्यक्ष राजेंद्र बेहरा, महासचिव अनिल यादव, उपाध्यक्ष अजय मिश्रा, गौतम बेहरा, पवन खोबरागड़े, नेताम, निशान सूर्यवंशी एवं अन्य साथी भारी संख्या में उपस्थित थे।

रायपुर पुलिस कप्तान डॉ.लाल उम्मेदसिंह ने लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के कैलेण्डर का विमोचन किया,दी शुभकामनाए

लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज के कैलेण्डर के ले-आउट की प्रशंसा की

रायपुर पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उम्मेदसिंह कैलेण्डर विमोचन करते हुए

दुर्ग/रायपुर। लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज का प्रकाशित वार्षिक कैलेण्डर में हिन्दू नववर्ष, धार्मिक तिथियों तीज-त्योहारों एवं ,शासकीय अवकाशों के साथ प्रकाशित की गई है।

जिसका विमोचन रायपुर पुलिस अधीक्षक डॉ.लाल उम्मेदसिंह के करकमलों द्वारा किया गया। लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रधान संपादक एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज दुर्ग के चेयरमैन संजय तिवारी अपनी टीम के साथ पुलिस अधीक्षक के कार्यालय पर जाकर नव प्रकाशित कैलेण्डर उन्हें भेंट किया।

इस दौरान चर्चा करते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उम्मेदसिंह ने लोकतंत्र प्रहरी अखबार सहित कैलेण्डर के प्रकाशन पर प्रधान संपादक और उनकी टीम को बधाई के साथ शुभकामनाएं दी। और कैलेण्डर के ले-आउट की प्रशंसा की।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर कमल किशोर शर्मा, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाज सेवी विष्णु पाठक, एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस. आर. हॉस्पिटल एवं कॉलेज के चेयरमैन संजय तिवारी व ओम नम शिवाय सहित अन्य उपस्थित थे।

बता दें, कैलेंण्डर के ले-आउट और संपूर्ण तरह जानकारियों से भरे होने की वजह से आम जनता के बीच काफी कम समय में लोकप्रिय हो रहा है।आज दुर्ग भिलाई सहित अन्य शहरों के शासकीय दफ्तरों के अलावा प्रतिष्ठानों सहित घरों में लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज की प्रकाशित कैलेण्डर का लेआउट चर्चित हो रहा है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने साउथ एशियन बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली कवर्धा की बेटी रिया तिवारी का किया सम्मान

कवर्धा। बिहार की राजधानी पटना में 25 से 29 दिसंबर तक आयोजित साउथ एशियन बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत, नेपाल, भूटान और श्रीलंका सहित चार देशों की टीमों ने भाग लिया था। इस चैंपियनशिप में भारत की विजेता टीम का हिस्सा बनकर देश और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने वाली कवर्धा की होनहार खिलाड़ी सुरिया तिवारी का उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सम्मान किया। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने रिया को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर उनकी उपलब्धि की सराहना की तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि रिया तिवारी की यह उपलब्धि न केवल कवर्धा जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रिया ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा, अनुशासन और कठिन परिश्रम से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रिया भविष्य में भी देश के लिए अनेक पदक जीतेंगी और प्रदेश की नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगी। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने यह भी कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, ताकि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना सकें।

रिया ने कहा कि उनकी इस सफलता का पूरा श्रेय मेरे माता-पिता और मेरे कोच अविनाश चौहान एवं जय किशन को जाता है। उनके निरंतर मार्गदर्शन, अनुशासन और प्रेरणा के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं हो पाती। हर कठिन समय में उन्होंने मेरा आत्मविश्वास बनाए रखा और मुझे आगे बढ़ने की शक्ति दी। यह जीत मेरे लिए केवल एक पदक नहीं, बल्कि मेरे खेल जीवन की एक नई शुरुआत है। मैं आगे भी पूरे समर्पण और मेहनत के साथ देश और प्रदेश के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का प्रयास करूंगी।

गुम या चोरी हुए वाहनों की पहचान हेतु 2,679 वाहनों का किया गया चेकिंग कार्यवाही

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने संपत्ति संबंधी अपराध में नियंत्रण करने एवं सशक्त एप (एप्लिकेशन) के माध्यम से कबाडी दुकान, बस स्टैण्ड, वाहन रिपेरिंग सेंटर, हॉटल, ढाबा, हॉट-बाजार एवं वाहन चेकिंग के दौरान वाहनो का चेकिंग कर गुम/चोरी हुए वाहनों की पतासाजी करने के संबंध में सायबर सेल एवं समस्त थाना/चौकी प्रभारी को निर्देशित किया गया। जिले भर में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु बेमेतरा पुलिस द्वारा एक विशेष सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहतसमस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों, यातायात, सायबर सेल पुलिस टीम द्वारा सशक्त एप'' (एप्लिकेशन) के माध्यम वाहनो की जांच कर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर भी कार्रवाई जारी है। शहर के प्रमुख चौराहों परवाहनों की जांच शुरू की गई है। पेट्रोलिंग पार्टियां निरंतर गश्त कर रही हैं। इसके साथ ही सशक्त ऐप के माध्यम से गुम या चोरी हुए वाहनों की पहचान हेतु वाहन चेकिंग की जा रही है। जिले के विभिन्न थाना/चौकी एवं यातायात स्टाफ के द्वारा विगत दो दिवस में 04 व 05 जनवरी 2026 को सशक्त एप(एप्लिकेशन) के माध्यम से चौक-चौराहो में वाहन चेकिंग कर व पेट्रोलिंग के दौरान सशक्त एप (एप्लिकेशन) के माध्यम से थाना बेमेतरा में 355 वाहनों, थाना बेरला में 215 वाहनों, थाना साजा में 159 वाहनों, थाना खम्हरिया में 141 वाहनों, थाना परपोडी में 57 वाहनों, थाना दाढी में 100 वाहनों, थाना चंदनू में 165 वाहनों, थाना नवागढ में 15 वाहनों, थाना नांदघाट में 233 वाहनों, थाना अजाक में 32 वाहनों, चौकी खण्डसरा में 150 वाहनों, चौकी देवरबीजा में 150 वाहनों, चौकी देवकर में 181 वाहनों, चौकी कंडरका में 56 वाहनों, चौकी मारो में 185 वाहनों, चौकी संबलपुर में 25 वाहनों, यातायात बेमेतरा में 460 वाहनो, कुल 2,679 वाहनों को चेकिंग की गई।

समाधान महाविद्यालय व आईटीआई के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

बेमेतरा। सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय एवं आईटीआई के विद्यार्थियों व प्राध्यापकों को शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाया गया। महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. अवधेश पटेल ने शैक्षणिक भ्रमण पर शुभकामनाएं दी। इस भ्रमण के अंतर्गत विद्यार्थियों को रतनपुर, कानन पेंडारी तथा सेवन वंडर वर्ल्ड का भ्रमण कराया गया। इस अध्ययन-यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति एवं विश्व धरोहरों से प्रत्यक्ष परिचय कराना था। भ्रमण की प्रथम कड़ी में विद्यार्थियों ने बिलासपुर जिले के सुप्रसिद्ध कानन पेंडारी जूलॉजिकल गार्डन का भ्रमण किया, जहाँ उन्हें वन्यजीव जगत की समृद्ध जैव-विविधता का सजीव अनुभव प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों ने बारहसिंघा, चिंकारा, हाग हिरण, हिमालयन गोरल, मणिपुरी मृग, भालू, लकड़बग्घा, लोमड़ी, सियार, बाघ, तेंदुआ, गुलाबी पेलिकन, जंगली सूअर, दरियाई घोड़ा, सफेद बाघ, साही, मगरमच्छ, सिंह, कछुआ, अजगर, नाग के साथ-साथ मोर, शुतुरमुर्ग, कोकाटेल एवं बजरीगर जैसी रंग-बिरंगी पक्षी प्रजातियों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने मोगली गार्डन, मछली घर, बिलासा उद्यान एवं राजीव बाल उद्यान का भी भ्रमण किया। इस अवसर पर प्राध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों को वन्यजीवों की जीवन-शैली, पारिस्थितिक संतुलन में उनकी भूमिका तथा संरक्षण की आवश्यकता के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता एवं संवेदनशीलता का विकास हुआ। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने सेवन वंडर वर्ल्ड में विश्व की महान स्थापत्य धरोहरों की आकर्षक प्रतिकृतियों का अवलोकन किया। यहाँ उन्होंने जॉर्डन की ऐतिहासिक नगरी पेट्रा, मेक्सिको का प्राचीन चिचेन इत्जा, भारत का गौरव ताजमहल, पेरु का माचू पिच्छू, रोम का भव्य कोलोजियम एवं एम्फीथिएटर, ब्राज़ील की विख्यात ईसा मसीह प्रतिमा तथा चीन की विशाल महान दीवार का अवलोकन कर वैश्विक इतिहास, संस्कृति एवं वास्तुकला की गहन समझ विकसित हुई। भ्रमण के अंतिम चरण में विद्यार्थियों ने रतनपुर स्थित प्रसिद्ध सिद्ध शक्तिपीठ श्री महामाया देवी मंदिर में दर्शन कर भारतीय आध्यात्मिक परंपरा, सांस्कृतिक आस्था एवं धार्मिक मूल्यों से आत्मिक जुड़ाव का अनुभव किया। यह संपूर्ण शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, अनुभव और संस्कारों का एक अनूठा संगम सिद्ध हुआ। महाविद्यालय प्रबंधन की यह पहल विद्यार्थियों के बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक विकास की दिशा में एक सराहनीय एवं प्रेरणादायी प्रयास रही। इस शैक्षणिक भ्रमण में महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी उमेश सिंह राजपूत, आईटीआई के अधीक्षक आकाश हिरवानी एवं समस्त सहायक प्राध्यापक डॉ. जी. डी. मानिकपुरी, निधि तिवारी, संगीता अग्रवाल, विनीता अग्रवाल, राजेंद्र वर्मा, योगेश्वर सिन्हा, नंदनी वर्मा, श्रद्धा राजपूत, राजेश यादव, गायत्री राजपूत, अंशु दत्ता, अमित कुमार पटेल, शुभम गजभिए, डिकी सलूजा, शिवराज साहू, होरीलाल देवांगन व जोगेंद्र साहू, तुकाराम जोशी, हुतेन्द्र कुमार सिन्हा, रेशमा पटेल एवं रितेश साहूसहित समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

ग्रीष्मकालीन धान से वैकल्पिक फसलों की ओर ऐतिहासिक बदलाव

ग्राम मानपुर, जिला बेमेतरा ने सतत कृषि की दिशा में रचा नया उदाहरण

बेमेतरा। जिला बेमेतरा के ग्राम मानपुर के किसानों ने इस वर्ष खेती के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी निर्णय लेते हुए ग्रीष्मकालीन धान की खेती को छोड़कर दलहन, तिलहन एवं अन्य वैकल्पिक फसलों को अपनाया है। यह परिवर्तन न केवल किसानों की सोच में आए सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है, बल्कि जल संरक्षण, लागत में कमी एवं टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। पिछले वर्ष ग्राम मानपुर में लगभग 100 हेक्टेयर क्षेत्र में ग्रीष्मकालीन धान की खेती की गई थी, जिसमें अत्यधिक मात्रा में पानी, बिजली और कृषि लागत की आवश्यकता होती थी। गिरते भू-जल स्तर, बढ़ती सिंचाई लागत तथा जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष किसानों ने कृषि विभाग के मार्गदर्शन में धान के स्थान पर चना, गेहूँ, सरसों एवं अन्य कम पानी वाली फसलों की खेती का निर्णय लिया।

जल संरक्षण और लागत में उल्लेखनीय कमी

ग्रीष्मकालीन धान की तुलना में वैकल्पिक फसलों में 60 से 70 प्रतिशत तक कम पानी की आवश्यकता होती है। इससे न केवल जल संसाधनों का संरक्षण हुआ है, बल्कि किसानों के बिजली, सिंचाई, बीज एवं उर्वरक खर्च में भी उल्लेखनीय कमी आई है। कम लागत में खेती होने से किसानों को बेहतर शुद्ध लाभ मिलने की उम्मीद है।

मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा

दलहनी फसलों की खेती से भूमि की उर्वरता बनाए रखने में सहायता मिलती है, क्योंकि ये फसलें प्राकृतिक रूप से मिटटी में नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करती हैं। इससे दीर्घकाल में भूमि की उत्पादक क्षमता बढ़ेगी और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता भी कम होगी। यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

किसानों की सोच में सकारात्मक परिवर्तन

ग्राम मानपुर के किसानों का कहना है कि पहले ग्रीष्मकालीन धान की खेती परंपरा के कारण की जाती थी, लेकिन अब वे लाभकारी, टिकाऊ एवं संसाधन-संरक्षण आधारित खेती को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस बदलाव से किसानों में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे भविष्य में भी वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित हुए हैं।

अन्य गांवों के लिए प्रेरणास्रोत

ग्राम मानपुर की यह पहल जिले के अन्य गांवों के लिए भी एक प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि सही मार्गदर्शन, जागरूकता और सामूहिक प्रयास से खेती को अधिक लाभकारी एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाया जा सकता है। ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर दलहन-तिलहन एवं वैकल्पिक फसलों को अपनाकर ग्राम मानपुर के किसानों ने सतत कृषि की दिशा में एक अनुकरणीय पहल की है। यह प्रयास न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि आने वाले समय में जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह कहानी निश्चित रूप से जिले एवं राज्य के किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

विज्ञान विषय पर ब्लुप्रिंट निर्माण कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर्स दे रहे है चार विषयों पर प्रशिक्षण

बेमेतरा। बेमेतरा विकासखंड स्तर पर विज्ञान संकाय के चारों विषयों पर ब्लुप्रिंट निर्माण, प्रश्न पत्र निर्माण, एवं शिक्षण शास्त्र पर कार्यशाला का आयोजन शासकीय हाई स्कूल खिलोरा विकासखंड बेमेतरा में चल रहा है। इसमें 4 मास्टर ट्रेनर्स और बीआरजी व्याख्याता पुष्पा वर्मा, नेहा ठाकुर, दिनेश कुमार सोनी,और सीमा ध्रुव चारों विषयों और कंटेंट पर व्याख्याताओं को सुंदर और गुणवत्ता युक्त प्रशिक्षण प्रदान कर रहे है। चतुर्थ दिवस निरीक्षण के लिए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बेमेतरा के उप प्राचार्य व पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी बेमेतरा डॉ कमल कपूर बंजारे, डाइट के व्याख्याता थलज कुमार साहू पहुंचे। इस अवसर पर निरीक्षण के समय डाइट बेमेतरा के व्याख्याता थलज कुमार साहू, संकुल समन्वय खिलोरा निलेश सोनी, संकुल प्राचार्य पी आर पात्रे, सहित व्याख्याता गजानंद शर्मा, दीपिका साहू, सत्येंद्र सिंह राजपूत, दिनेश देवांगन, इंदु शर्मा, गिरिजा मिश्रा, विजय पांडेय, हरीश कुमार देवांगन, सीमा घोष, पीला राम साहू, रेणुपाल

संक्षिप्त समाचार

करोड़ों की दारू घटक गए हैप्पी न्यूईयर में मदिरा प्रेमी

रायपुर। प्रदेश में हैप्पी न्यूईयर में मदिरा प्रेमी करीब 100 करोड़ रूपए से अधिक के दारू घटक गए हैं जोकि पिछले दो वर्ष की तूलना में अधिक है। मिली जानकारी के अनुसार राज्य में शासकीय देशी-विदेशी मदिरा दूकानों का संचालन सरकार द्वारा किया जाता है। राजधानी में सिर्फ से अधिक दूकानें हैं जहां पर मदिरा प्रेमियों ने ईप्पी न्यूईयर पर पहले शराब का प्रबंध कर लिया था वहीं ग्रामीणों क्षेत्र में भी जमकर शराब की खरीदी हुई। जिसके चलते करीब 102 करोड़ रूपए की दारू बिकने का अनुमान है। पिछले वर्ष सिर्फ 85 करोड़ रूपए की दारू बिक पाई थी लेकिन इस वर्ष शराब ही महंगी है, लेकिन यहां पर देशी-विदेशी मदिरा का पहले ही कोई भी ब्रांड मिले लोग खरीद लेते हैं। राजधानी में प्रीमियम रेंज की दूकानों में काफी भीड़ रहती है वहीं सरकारी विभागों में भी जमकर खरीदी की जाती है। विभिन्न होटलों में लाईसेंस प्राप्त होने के कारण इसका उपयोग किया जाता है। आए दिन सरकार द्वारा एफएल वन एफएल टू में संशोधन किया जाता है लेकिन देशी ब्रांड में भी सिर्फ गोवा की डिमांड रहती है।

माँ शाकम्भरी महोत्सव में शामिल हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल, फल-सब्जी वितरण कर दिया सेवा व आत्मनिर्भरता का संदेश

रायपुर। 5 जांव सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को राजधानी रायपुर के घड़ी चौक में मरार पटेल समाज छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में आयोजित माँ शाकम्भरी प्राकट्य दिवस एवं छेरछेरा पूर्णिमा के पावन अवसर पर शाकम्भरी महोत्सव में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने प्रसाद स्वरूप फ्ल एवं सब्जियों का वितरण कर समाज सेवा और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। सांसद श्री अग्रवाल ने माँ शाकम्भरी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि माँ शाकम्भरी अन्न, फ्ल और वनस्पति की अधिष्ठात्री देवी हैं। जब धरती पर अकाल की स्थिति उत्पन्न हुई, तब माँ ने फ्ल और सब्जियों के रूप में मानवता का पालन कर जीवन को नई दिशा दी। माँ शाकम्भरी का संदेश प्रकृति के संरक्षण, आत्मनिर्भरता और सेवा भाव से जुड़ा हुआ है, जो आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की आवश्यकता है कि हमारी युवा पीढ़ी अपने पुस्तैनी कृषि कार्य को आधुनिक तकनीक, नवाचार और वैज्ञानिक पद्धतियों से जोड़े। इससे फ्ल एवं सब्जी उत्पादन में वृद्धि होगी, किसानों की आय बढ़ेगी और छत्तीसगढ़ कृषि के क्षेत्र में और अधिक सशक्त बनकर उभरेगा। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने माँ शाकम्भरी से समाज, किसान और युवाओं के सुख, समृद्धि एवं उन्नति की कामना करते हुए कहा कि माँ की कृपा से छत्तीसगढ़ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा। इस अवसर पर मरार पटेल समाज के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, किसान भाई-बहन एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

कड़ाके की ठंड में रायपुर में डीएड अभ्यर्थियों का आंदोलन जारी, कई अभ्यर्थियों की बिगड़ी तबीयत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सहायक शिक्षक भर्ती 2023 को लेकर एक बार फिर प्रशासनिक उदासीनता और युवाओं के संघर्ष की तस्वीर सामने आई है. तूता में सहायक शिक्षक के 2300 रिक्त पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर डीएड अभ्यर्थी पिछले 12 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हैं. अनशन पर बैठे अभ्यर्थियों की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है. नियुक्ति की मांग को लेकर डीएड अभ्यर्थियों का अनशन जारी डीएड अभ्यर्थी सहायक शिक्षक भर्ती 2023 के मामले में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बावजूद नियुक्ति नहीं दिए जाने का विरोध कर रहे हैं. अभ्यर्थी 24 दिसंबर से आमरण अनशन पर हैं. हाईकोर्ट द्वारा 26 सितंबर 2024 को दो माह के भीतर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के आदेश के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से अभ्यर्थियों में भारी नाराजगी है. डीएड अभ्यर्थियों की मांग है कि 2300 पदों पर तत्काल छठवें चरण की काउंसलिंग कर नियुक्ति दी जाए. सभी अभ्यर्थी कड़ाके की ठंड में भी दिन-रात अपनी मांग को लेकर तोता धरना स्थल पर डटे हुए हैं,,, इसमें बड़ी संख्या में लड़की और महिलाएं शामिल है. घर परिवार छोड़कर यह सभी अभ्यर्थी अपनी नौकरी के लिए गुहार लगा रहे हैं. आमरण अनशन के दौरान बिगड़ी अभ्यर्थियों की हालत अपनी मांगों को लेकर 24 दिसंबर से आमरण अनशन पर बैठे अभ्यर्थियों की हालत अब चिंताजनक हो गई है. शनिवार को अनशन स्थल पर कृष्णा साहू सहित आठ अभ्यर्थी भूख और कमजोरी के कारण बेहोश होकर गिर पड़े. मौके पर मौजूद साथियों ने तत्काल उन्हें इलाज के लिए अभनपुर और माना के स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया।

रायपुर सेंट्रल जेल में कैदी की मौत, परिजनों ने लगाया प्रताड़ना का आरोप

रायपुर। रायपुर के सेंट्रल जेल में पॉक्सो एक्ट के तहत बंद एक विचाराधीन कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। कैदी की मौत के बाद परिजनों ने जेल प्रशासन पर प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार रात सेंट्रल जेल रायपुर में पॉक्सो एक्ट के प्रकरण में सजा काट रहे कैदी सुनील महानंद की मौत बैरक नंबर-5 में हो गई। पुलिस ने देर रात परिजनों को इसकी जानकारी दी। घटना के बाद मृतक के परिजन और समाज के लोग जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए जेल परिसर के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। परिजनों का आरोप है कि सुनील को जेल में लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना दी जा रही थी, जिससे वह बेहद परेशान था। उनका कहना है कि मौत की सूचना भी उन्हें देर रात दी गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि बिना पूर्व सूचना के शव को मर्चुरी भेज दिया गया, जिससे पूरे मामले पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सोमवार को छत्तीसगढ़ उत्कल गाड़ा समाज के लोग भी परिजनों के साथ धरना प्रदर्शन में शामिल हुए। समाज के पदाधिकारियों और परिजनों का दावा है कि सुनील महानंद को फर्जी मामले में फंसाया गया था। साथ ही जेल में बुनियादी सुविधाओं की कमी का भी आरोप लगाया गया है। मृतक की पत्नी ने बताया कि दो दिन पहले हुई मुलाकात के दौरान सुनील ने जेल में प्रताड़ना की बात कही थी और वह काफी परेशान नजर आ रहा था। वहीं मृतक की रिश्तेदार ने भी उसकी मानसिक स्थिति को लेकर चिंता जताई है। परिजनों और समाज के लोगों ने मामले की उच्चस्तरीय व निष्पक्ष जांच की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह मामला संदिग्ध है और सच्चाई सामने आनी चाहिए। इसके साथ ही मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी और परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग भी की गई है। फ्लिहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जेल प्रशासन से संबंधित दस्तावेज व जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

नकदी फसल, उद्यानिकी, तिल-अरहर की फसलों पर करें विशेष फोकस

जनहितैषी वाले स्वीकृत कार्य समय-सीमा में करें पूराः रामविचार नेताम

रायपुर/ संवाददाता

आदिम जाति विकास मंत्री तथा मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज अपने एक दिवसीय जिला प्रवास के दौरान कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शासन की प्राथमिकता एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, समयबद्ध पूर्णता और आमजन तक वास्तविक लाभ सुनिश्चित करना रहा। प्रभारी मंत्री श्री नेताम ने बैठक में कहा कि पुराने बजट में स्वीकृत सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने आजीविका मिशन, मखाना उत्पादन, मत्स्य पालन और कृषि से जुड़े विषयों पर जिले की परिस्थितियों के अनुरूप ठोस और व्यावहारिक रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए। प्राकृतिक खेती की संभावनाओं को रेखांकित करते हुए इसे व्यापक रूप से बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। मंत्री श्री नेताम ने कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि इस जिले की जलवायु नकदी फसलों के लिए अत्यंत अनुकूल है। उन्होंने किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ उद्यानिकी, दलहन-तिलहन, सब्जी एवं अन्य नकदी फसलों की ओर प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। मखाना की खेती को जिले के लिए संभावनाशील बताते हुए इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभ करने तथा कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र को संयुक्त रूप से तिल एवं अरहर की खेती को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री नेताम ने पशुधन विकास एवं मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा में उन्होंने कुक्कुट पालन, बकरी पालन, सूकर पालन और मत्स्य पालन को ग्रामीण आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बताया और अधिक से अधिक किसानों को प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता से जोड़ने पर बल दिया। आदिम जाति विकास मंत्री श्री नेताम ने समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत स्वीकृत सड़कों, पुल-पुलियों, आंगनबाड़ी, सामुदायिक भवनों एवं आवास निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत सभी स्वीकृत आवासों को उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने इसके व्यापक विस्तार एवं प्रभावी क्रियान्वयन को गति देने के निर्देश दिए और कहा कि यह योजना ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी। विद्युत विभाग को सभी योजनाओं की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में खाद्य, राजस्व, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, बिजली, लोक सेवा गारंटी सहित सभी विभागों की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री श्री नेताम ने कहा कि शासन की हर योजना पारदर्शी, परिणामोन्मुखी और समयबद्ध होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य कर जिले के समग्र विकास को गति देने और आम जनता का विश्वास मजबूत करने पर बल दिया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री यशवंती सिंह, कलेक्टर डी. राहुल वेंकट, जिला पंचायत सीईओ सुश्री अंकिता सोम सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गृहविभाग के बजट निर्माण हेतु उपमुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया

रायपुर/ संवाददाता

राज्य शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए तीसरे बजट की तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई हैं। इसी क्रम में गृह विभाग के बजट निर्माण को लेकर मंत्रालय में सोमवार को उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में गृह विभाग से संबद्ध पुलिस, पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन, नगर सेना एवं एसडीआरएफ, जेल एवं सुधारात्मक सेवाएँ, लोक अभियोजन, राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, सैनिक कल्याण, संपदा संचालनालय, छत्तीसगढ़ स्टेट गैरेज, मेडिको-लीगल संस्थान तथा छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस जवाबदेही प्राधिकार इकाइयों के विभागाध्यक्षों ने भाग लिया। सभी विभागों से प्राप्त बजट अनुदान प्रस्तावों पर बिंदुवार और विस्तृत चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए कहा कि बजट निर्माण में मितव्ययता और प्राथमिकताओं का संतुलन आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि अनावश्यक व्ययों पर नियंत्रण रखते हुए कानून व्यवस्था सुदृढ़ीकरण, पुलिस बल की क्षमता वृद्धि, आवास एवं आधारभूत संरचना, आपदा प्रबंधन, फॉरेंसिक सुविधाओं का आधुनिकीकरण, जेल सुधार तथा अभियोजन की प्रभावशीलता जैसे आवश्यक मदों के लिए पर्याप्त और समयोचित प्रावधान सुनिश्चित किए जाएँ। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि बजट प्रस्ताव परिणामोन्मुखी हों और उनसे जनसुरक्षा, त्वरित न्याय, तथा सेवा-प्रदाय की गुणवत्ता में प्रत्यक्ष सुधार दिखाई दे। आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण, उपकरणों के उन्नयन और मानव संसाधन विकास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने प्रस्तावों में स्पष्ट लक्ष्य, अपेक्षित परिणाम और व्यय-लाभ विश्लेषण का समावेश करें। बैठक में उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने समन्वय और समयबद्धता पर बल देते हुए कहा कि गृह विभाग का बजट राज्य की कानून-व्यवस्था, आपदा तैयारी और न्यायिक प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएगा। सभी इकाइयों को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित समय-सीमा में संशोधित एवं सुदृढ़ प्रस्ताव प्रस्तुत करें, ताकि बजट को अंतिम रूप दिया जा सके।

पोषण निर्माण में अहम भूमिका निभा रही हैं सूरजपुर की महिलाएं

रायपुर/ संवाददाता

आर्थिक सशक्तिकरण की नींव सशक्त मानसिकता पर आधारित होती है। दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास व्यक्ति को सफलता की दिशा में आगे बढ़ाते हैं। सूरजपुर जिले की स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने इस सोच को व्यवहार में उतारते हुए आत्मनिर्भरता की एक सशक्त मिसाल प्रस्तुत की है। ये महिलाएं न केवल स्वयं सशक्त बन रही हैं, बल्कि जिले की महिलाओं एवं बच्चों को पोषण उपलब्ध कराने के अभियान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पोषण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तत्काल उपभोग हेतु तैयार पोषण आहार (रेडी टू ईट) निर्माण संयंत्र का शुभारंभ किया गया है। इन संयंत्रों में स्वादिष्ट एवं पौष्टिक नमकीन दलिया तथा मीठा शक्ति आहार का निर्माण किया जा रहा है, जो विटामिन 'ए', विटामिन 'डी', थायमिन, राइबोफ्लेविन, नियासिन, पाइरीडॉक्सिन, फोलिक अम्ल, कोबालामिन, लोह तत्व (आयरन), कैल्शियम एवं जिंक जैसे आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर है। जिले प्रशासन द्वारा जिले में कुल 07 पोषण आहार निर्माण संयंत्र स्थापित किए गए है। यहां वर्तमान में भैयाथान, प्रतापपुर एवं सूरजपुर विकासखंड में तीन संयंत्रों का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इन तीनों संयंत्रों में 32 महिलाएं प्रत्यक्ष रूप से पोषण आहार निर्माण कार्य में संलग्न हैं। निर्मित पोषण आहार आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है। इस प्रकार स्व-सहायता समूहों की महिलाएं मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण में अप्रत्यक्ष किंतु अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। इस सम्बन्ध में महत्वपूर्ण बात है कि पोषण आहार के निर्माण के साथ-साथ उसके वितरण की भी जिम्मेदारी भी महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपी गई है। भैयाथान विकासखंड में 15 स्व-सहायता समूह,सूरजपुर विकासखंड में 15 स्व-सहायता समूह तथा प्रतापपुर विकासखंड में 13 स्व-सहायता समूह सक्रिय रूप से वितरण कार्य में अपनी भूमिका निभा रही है। इन समूहों के माध्यम से कुल 430 महिलाएं आंगनबाड़ी केंद्रों तक पोषण आहार वितरण कार्य में सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। इस योजना से महिलाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।

---

12 कार्यों के लिए 2.12 करोड़ स्वीकृत

अरूण के अनुमोदन के बाद नगरीय प्रशासन विभाग ने किए मंजूरी आदेश

रायपुर/ संवाददाता

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने बीजापुर नगर पालिका में 12 कार्यों के लिए दो करोड़ 11 लाख 71 हजार रुपए की स्वीकृति दी है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने संचालनालय से राशि की मंजूरी का आदेश जारी कर दिया है। उन्होंने सभी कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने बीजापुर नगर पालिका के वार्ड क्रमांक-12 में बाजार मंख पांच शेडो के निर्माण के लिए 47 लाख 60 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। विभाग द्वारा शांति नगर, वार्ड क्रमांक-7 में आर.सी.सी. पुलिया के निर्माण के लिए नौ लाख 18 हजार रुपए की मंजूरी दी गई है। बैदरगुड़ा, वार्ड क्रमांक-15 और वार्ड क्रमांक-3 में आर.सी.सी. नाली के निर्माण के लिए क्रमशः नौ लाख 18 हजार रुपए और नौ लाख 98 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। विभाग ने कोकड़ापारा, वार्ड क्रमांक-3 में सामुदायिक शेड के निर्माण के लिए नौ लाख 97 हजार रुपए और वार्ड क्रमांक-6 में सामुदायिक भवन में बाउंड्रीवॉल निर्माण के लिए 29 लाख 56 हजार रुपए मंजूर किए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने जयनगर शिविर, वार्ड क्रमांक-15 में सी.सी. रोड के निर्माण के लिए नौ लाख 74 हजार रुपए, डिपोपारा, वार्ड क्रमांक-6 में सी.सी. रोड के लिए नौ लाख 95 हजार रुपए और वार्ड क्रमांक-13 में जयस्तंभ चौक के पास सांस्कृतिक शेड के निर्माण के लिए आठ लाख 56 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। नगर पालिका कार्यालय परिसर में पार्किंग शेड और वाहन शेड के निर्माण के लिए 19 लाख 45 हजार रुपए।

महिला नेतृत्व को लेकर उठा विवाद कांग्रेस के राजनीतिक चरित्र को बेनकाब कर रहा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पाण्डेय ने कहा है कि अब छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष के चयन को लेकर विवाद सामने आया है। यह विवाद कांग्रेस के अंदरूनी लोकतंत्र पर सवाल खड़ा करता है और गुटबाज़ी का प्रत्यक्ष प्रमाण है। श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस के नेता हमेशा महिलाओं के सम्मान और अधिकार को लेकर बड़ी-बड़ी बातें तो खूब करते हैं, लेकिन जब खुद के संगठन में महिलाओं को नेतृत्व देने का समय आता है, तो निर्णय पारदर्शी नहीं होता बल्कि बंद कमरों में सौदेबाज़ी होती है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि आज कांग्रेस की महिला नेता खुद सवाल उठा रही हैं कि योग्यता, संघर्ष और ज़मीनी सच्चाई को दरकिनार कर गुटबाजी और चापलूसी को महत्व दिया जा रहा है।

एक धड़कन, जिसने ज़िंदगी बदल दी

प्रोजेक्ट धड़कन के तहत ईलाज से मिली अरमान को हृदय रोग से मुक्ति

रायपुर/ संवाददाता

गांव में मितानिन ने एक दिन कहा था,आपके बच्चे की धड़कन बाकी बच्चों से तेज है, यह वाक्य आज भी श्रीमती रजनी यादव के कानों में गूंजता है। वे बोलते-बोलते रो पड़ती हैं, हमने कभी ध्यान ही नहीं दिया अब लगता है, क्यों नहीं दिया! गोगांव, रायपुर की रहने वाली श्रीमती रजनी यादव का तीसरा बेटा अरमान, अपने दोनों बड़े भाईयों और दोस्तों के साथ हंसता-खेलता बड़ा हो रहा था। कभी पिट्ठुल खेलता, कभी दौड़ लगाता, सब कुछ सामान्य लगता था। बस बार-बार होने वाला सर्दी-बुखार माता-पिता को थोड़ा परेशान जरूर करता था, लेकिन किसी को अंदेशा नहीं था कि उस मासूम सी हंसी के पीछे एक गंभीर खतरा छिपा है। फिर 13 दिसंबर 2025 का दिन आया। सरोरा स्थित शासकीय स्कूल में, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार पहुँची चिरायु टीम ने जब बच्चों की जांच शुरू की, तो अरमान की बारी पर डॉक्टर ठिठक गए। उसके हृदय की धड़कन सामान्य नहीं थी। यही वह पल था, जिसने एक परिवार की ज़िंदगी की दिशा बदल दी। प्रोजेक्ट धड़कन छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले की एक स्वास्थ्य पहल है, जिसका उद्देश्य मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर बच्चों में जन्मजात हृदय रोगों का जल्द पता लगाना और उनका मुफ्त इलाज कराना है, जिसमें श्री सत्य साई हॉस्पिटल और जिला प्रशासन मिलकर काम कर रहे हैं, विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाकर बच्चों की जांच की जाती है और उन्हें आवश्यक डिजिटल उपकरण (जैसे स्टेथोस्कोप) प्रदान किए जाते हैं। टीम अरमान को तत्काल श्री सत्य साईं नारायण अस्पताल, नया रायपुर लेकर गई। विस्तृत जांच हुई और रिपोर्ट ने माता-पिता के पैरों तले ज़मीन खिसका दी। अरमान के दिल में 18 मिमी का छेद था। डॉक्टरों ने बिना देर किए कहा,ऑपरेशन जरूरी है। ईंट-भट्ठे में काम करने वाले पिता श्री रंगनाथ यादव और मां रजनी के सामने सवालों का पहाड़ खड़ा था कि पैसे का इंतजाम कैसे होगा? बच्चा का स्वास्थ्य, उसका भविष्य कैसा होगा? लेकिन उस घड़ी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। चिरायु टीम की सलाह पर भरोसा किया और अपने बेटे को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। ज़िला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट 'धड़कन' के अंतर्गत 28 दिसंबर 2025 को विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में अरमान का जटिल हृदय ऑपरेशन पूरी तरह निःशुल्क सफलतापूर्वक किया गया। लगातार निगरानी और देखभाल के बाद कुछ ही दिनों में वह डिस्चार्ज होकर घर वापिस आ गया। आज जब अरमान पिट्ठुल खेलता है, दोस्तों के पीछे भागता है, तो यह विश्वास करना मुश्किल हो जाता है कि सिर्फ एक हफ्ते पहले वह अस्पताल में एक जटिल सर्जरी प्रक्रिया से गुजर रहा था। चिरायु टीम द्वारा लगातार फॉलो-अप किया जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार अरमान की सेहत में उल्लेखनीय सुधार है और वह पूरी तरह स्वस्थ है। उसके चेहरे की मुस्कान आज सिर्फ उसके परिवार की नहीं, पूरे मोहल्ले की खुशी बन गई है। भावुक होकर श्रीमती रजनी यादव कहती हैं,अगर समय पर जांच और ईलाज नहीं मिलता, तो शायद आज मेरा बच्चा मेरे सामने न होता। वहीं पिता श्री रंगनाथ यादव कहते हैं, ष्मेरे पास न पैसा था, न साधन3 लेकिन प्रोजेक्ट धड़कन ने मेरे बेटे को नई ज़िंदगी दे दी। आज अरमान केवल अपने माता-पिता का सहारा नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए आशा, विश्वास और समय पर मिली मदद की ताकत का प्रतीक बन चुका है। रजनी और रंगनाथ, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और ज़िला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते नहीं थकते। यह कहानी सिर्फ एक बच्चे के बचने की नहीं है - यह कहानी है संवेदनशील शासन, समय पर हस्तक्षेप और उस भरोसे की, जो एक मासूम दिल को फिर से धड़कने का मौका दे सका।

संपादकीय

बांग्लादेश में -अराजकता, साजिश या शासन की नाकामी?

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की हिंसक घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। पिछले दो सप्ताह में वहां तीन हिंदू नागरिकों की हत्या कर दी गई। इससे हिंदू समुदाय के भीतर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ये हमले ऐसे समय में हो रहे हैं, जब बांग्लादेश में आए दिन विरोध प्रदर्शनों से अराजक स्थिति पैदा हो रही है। सवाल है कि ऐसे हमले अचानक हो रहे हैं या फिर किसी गहरी साजिश के तहत इस तरह की हिंसा का जाल बुना जा रहा है! ऐसे में वहां की अंतरिम सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है।हालांकि, सरकार का दावा है कि इन घटनाओं को सांप्रदायिकता से नहीं जोड़ा जाना चाहिए, क्योंकि इनके पीछे व्यक्तिगत कारण हो सकते हैं। अगर यह सही है, तो फिर क्या वजह है कि अल्पसंख्यकों को ही लक्षित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है? कानून व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? जाहिर है कि जिस तरह की अराजक स्थिति पैदा हो रही है, उसके लिए शासन एवं प्रशासन ही जवाबदेह हैं।बांग्लादेश में अगस्त 2024 में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बाद हिंसा का सिलसिला शुरू हुआ था। अंतरिम सरकार बनने के बाद वहां माहौल थोड़ा शांत और स्थिर हुआ था, लेकिन हाल के दिनों में हिंसा फिर से जोर पकड़ने लगी है। खासकर अब हिंदू समुदाय के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। इसी क्रम में पिछले दो सप्ताह के भीतर तीन हिंदू नागरिकों की हत्या कर दी गई। पहले भालुका इलाके में भीड़ ने ईशनिंदा के आरोप में एक हिंदू व्यक्ति को पीट-पीट कर मार डाला और फिर उसे आग के हवाले कर दिया गया। इसके कुछ दिन बाद मैमनसिंह जिले में एक हिंदू नागरिक की हत्या कर दी गई। हाल ही में कपड़े के कारखाने में एक हिंदू कर्मी को गोली मार दी गई, जिससे उसकी मौत हो गई। इस मामले में स्थानीय पुलिस का दावा है कि आरोपी ने मजाक में हिंदू व्यक्ति की तरफ बंदूक तानी थी और इस दौरान अचानक गोली चल गई। जबकि घटना के चश्मदीद का कहना है कि आरोपी ने जान-बूझकर गोली चलाई। बयानों के इस विरोधाभास से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, जिसने जापान को पीछे छोड़ दिया है। यह लगातार ग्रोथ, मजबूत घरेलू ताकत और बेहतर मैक्रोइकॉनॉमिक मैनेजमेंट का नतीजा है। भारत का अगला लक्ष्य जर्मनी को पीछे छोड़ना है, जिसके लिए ऊंची ग्रोथ बनाए रखना और स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स को गहरा करना महत्वपूर्ण होगा। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। भारत की नॉमिनल जीडीपी 4.18 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। इससे भारत जापान को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर आ गया है। अमेरिका, चीन और जर्मनी अब भारत से आगे हैं। यह भारत के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है। 2022 में भारत ने ब्रिटेन को पीछे छोड़ा था और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना था। यह दिखाता है कि भारत लगातार तरक्की कर रहा है। भारत का दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना लगातार ग्रोथ, मजबूत घरेलू ताकत और बेहतर मैक्रोइकॉनॉमिक मैनेजमेंट का नतीजा है। जापान को पीछे छोड़ना एक प्रतीकात्मक और वास्तविक बदलाव है। अगला लक्ष्य जर्मनी को पीछे छोड़ना है। यह भारत की क्षमता को परखेगा कि वह ऊंची ग्रोथ को कैसे बनाए रखता है, स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स को कैसे गहरा करता है और स्थिरता कैसे बनाए रखता है।

जापान छूट गया पीछे, '3 -धुरंधरों' में कब शामिल होगा भारत, जर्मनी कितने साल दूर?

अगर मौजूदा रफ्तार बनी रहती है और रिफॉर्म्स ग्रोथ के आधार को और बढ़ाते हैं तो भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बहुत जल्द बन सकता है। यह बदलाव दुनिया की अर्थव्यवस्था में हो रहे बड़े बदलावों को दिखाता है। तेजी से बढ़ रही उभरती अर्थव्यवस्थाएं आगे बढ़ रही हैं। वहीं, कुछ विकसित देशों की ग्रोथ धीमी हो गई है। जापान को पीछे छोड़ने की कहानी भारत और जापान की आर्थिक रफ्तार के अंतर को बताती है। जापान में जनसंख्या बूढ़ी हो रही है। लोगों की खरीदारी कम हो रही है। महंगाई कम होने का नाम नहीं ले रही है। इन वजहों से जापान की ग्रोथ धीमी है। वहीं, भारत में युवा आबादी है, शहरों का विकास हो रहा है और उत्पादकता बढ़ रही है। यह सब भारत की ग्रोथ को बढ़ा रहा है।

(अमित शुक्ला)

तेजी से दौड़ रहा है भारत

हाल के महीनों में भारत की आर्थिक रफ्तार काफी तेज रही है। वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की रियल जीडीपी ग्रोथ 8.2 प्रतिशत रही। पिछली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत थी। यह ग्रोथ तब हुई जब दुनिया भर में व्यापार को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। यह दिखाता है कि भारत की अपनी घरेलू ताकतें कितनी मजबूत हैं। लोगों की खरीदारी बढ़ी है, रोजगार बढ़ा है और महंगाई भी काबू में है। बैंकों से भी कंपनियों को आसानी से कर्ज मिल रहा है। इन सब वजहों से भारत की ग्रोथ जापान से कहीं ज्यादा रही और भारत नॉमिनल जीडीपी के मामले में आगे निकल गया।

भारत की एक खास बात यह है कि यहां ग्रोथ भी अच्छी है और महंगाई भी कम है। महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के तय किए गए स्तर से नीचे है। इससे लोगों के पास ज्यादा पैसे हैं। वे ज्यादा खरीदारी कर पा रहे हैं। इसी को देखते हुए आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया है।

ग्रोथ के साथ रोजगार की स्थिति भी सुधरी है। नवंबर 2025 में 15 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में बेरोजगारी दर घटकर 4.8 प्रतिशत रह गई। यह अप्रैल के बाद सबसे कम है। खासकर ग्रामीण और शहरी इलाकों में महिलाओं की बेरोजगारी में कमी आई है। बेरोजगारी का कम होना, काम करने वालों की संख्या का बढ़ना और काम करने लायक लोगों का ज्यादा होना, यह सब एक अच्छे साइकिल को दिखाता है। ग्रोथ से रोजगार बढ़ता है, लोगों की आमदनी बढ़ती है और फिर लोग और ज्यादा खरीदारी करते हैं, जिससे ग्रोथ और बढ़ती है।

कितने साल में जर्मनी छूट जाएगा पीछे?

अब भारत का अगला लक्ष्य जर्मनी है, जो दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

2025 में जर्मनी की जीडीपी करीब 5.01 ट्रिलियन डॉलर और 2026 में करीब 5.33 ट्रिलियन डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, भारत की जीडीपी 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। अगर यही रफ्तार बनी रही तो भारत अगले 2.5 से 3 सालों में जर्मनी को पीछे छोड़ सकता है।

जापान के उलट जर्मनी एक अमीर और तकनीकी रूप से उन्नत देश है। उसका निर्यात भी बहुत मजबूत है। लेकिन, जर्मनी को भी धीमी होती वैश्विक व्यापार, ऊर्जा बदलाव की लागत और बूढ़ी होती आबादी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन वजहों से जर्मनी की ग्रोथ सीमित हो गई है। यह भारत जैसी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए एक मौका है कि वह इस अंतर को पाट सके।

जर्मनी को पीछे छोड़ने के लिए भारत को कई सालों तक लगातार ऊंची ग्रोथ बनाए रखनी होगी। सिर्फ कुछ समय के लिए ग्रोथ बढ़ने से काम नहीं चलेगा। सबसे जरूरी है कि लोगों की खरीदारी लगातार बढ़ती रहे। लोगों की आमदनी, शहरों में बढ़ती खरीदारी और गांवों में लोगों की खरीदने की क्षमता को मजबूत बनाए रखना होगा। इसके लिए खेती की अच्छी पैदावार और स्थिर महंगाई भी जरूरी है।

किन बातों का रखना होगा ध्यान?

निवेश भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा। भारत को मिले कर्ज को प्रोडक्टिव कामों में लगाना होगा। खासकर इन्?फास्ट्रक्रर, मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में। दुनिया भर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाना भारत के लिए बहुत जरूरी है। इससे भारत अपनी सर्विस सेक्टर की ग्रोथ के साथ एक मजबूत इंडस्ट्रियल बेस भी बना पाएगा। इससे बड़े पैमाने पर रोजगार भी पैदा होगा और उत्पादकता भी बढ़ेगी।लगातार होने वाले स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स यह तय करेंगे कि ग्रोथ कितनी टिकाऊ रहेगी। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) को और बेहतर बनाना, नियमों में स्पष्टता लाना और वित्तीय क्षेत्र में और सुधार करना, ये सब व्यापार की लागत को कम करेंगे और लंबे समय के लिए निवेश को आकर्षित करेंगे। कंपनियों और बैंकों की मजबूत बैलेंस शीट एक अच्छी शुरुआत है, लेकिन कर्ज बढ़ाते हुए वित्तीय स्थिरता बनाए रखना बहुत जरूरी होगा। बाहरी ताकतें भी मदद करेंगी। सर्विस एक्सपोर्ट्स (सेवाओं का निर्यात) मजबूत बने रहने की उम्मीद है। व्यापार और निवेश से जुड़े समझौतों का समय पर पूरा होना भारत को ग्लोबल वैल्यू चेन (वैश्विक मूल्य श्रृंखला) में और बेहतर तरीके से जोड़ने में मदद करेगा। निर्यात बाजारों में विविधता लाना और सामानों और सेवाओं दोनों में वैल्यू चेन में ऊपर जाना, यह सब वैश्विक झटकों से भारत को बचाने में मदद करेगा। आखिर में, मैक्रोइकॉनॉमिक डिसिप्लिन बहुत जरूरी होगा। महंगाई को कम रखना, वित्तीय दबावों को संभालना और एक स्थिर नीतिगत माहौल बनाए रखना, यह सब भारत को तेजी से बढ़ने में मदद करेगा और असंतुलन पैदा नहीं होने देगा। अगर भारत ग्रोथ और महंगाई के इस 'गोल्डीलॉक्स' (बहुत ज्यादा नहीं, बहुत कम नहीं, एकदम सही) कॉम्बिनेशन को बनाए रख पाता है तो वह न सिर्फ जर्मनी को पीछे छोड़ने के लिए तैयार होगा, बल्कि दुनिया की टॉप तीन अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह पक्की कर लेगा।

यह आगे बढ़ने का समय है, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता को पीछे छोड़ना जरूरी

(पवन पांडेय)

पीछे मुड़कर देखें, तो युद्धों और अमेरिकी टैरिफ से वैश्विक व्यापार में कुछ अनिश्चितता जरूर पैदा हुई है, पर यह आगे बढ़ने का समय है और दुनिया के देश यह समझ भी रहे हैं।

वैश्विक व्यापार में बदलाव आ रहा है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद के दौर में अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय के लिए जो मॉडल बना था, वह अनिश्चित नीति, अविश्वसनीय आधारभूत ढांचे और दुर्लभ मृदा खनिजों जैसी संवेदनशील चीजों की बढ़ती मांग से बदल रहा है। कोविड-19 महामारी के बाद से मजदूरों की कमी, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीति ने भी दुनिया भर में वस्तुओं की आवाजाही पर असर डाला है। इसने बंदरगाहों के कामकाज, शिपिंग कंटेनरों की स्थिति और व्यापार विस्तार की योजनाओं को भी प्रभावित किया है। कंपनियां अमेरिकी टैरिफ से पैदा हुए व्यापार युद्ध के मौजूदा दौर को प्रबंधित करने के तरीके ढूंढ रही हैं, तो क्या वैश्विक आपूर्ति शृंखला हमेशा के लिए टूट गई है?

येल यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर एलेह त्सिविंस्की कहते हैं यूनाइटेड नेशंस कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट के अनुसार, मूल्य के हिसाब से दुनिया का लगभग 70 प्रतिशत व्यापार समुद्री रास्ते से होता है, और इसका लगभग दो-तिहाई हिस्सा कंटेनरों में होता है। कंटेनरों को समझना मतलब वैश्विक व्यापार की संरचना को समझना है। त्सिविंस्की कहते हैं कि मैंने अन्य प्रोफेसरों के साथ मिलकर आपूर्ति शृंखला में बाधा का सूचकांक तैयार किया, जो उत्पाद, कंपनी और क्षेत्रीय स्तर पर बाधाओं का पता लगाता है।

नतीजों से पता चला कि कोविड के दौरान आपूर्ति में रुकावटें अपने चरम पर थीं, लेकिन तब से कुल मिलाकर कम हो गई हैं, हालांकि वे महामारी से पहले के स्तर से ऊपर बनी हुई हैं। जब हम जरूरी सामान पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो तस्वीर और भी खराब हो जाती है। दुर्लभ धातुओं जैसे महत्वपूर्ण उत्पादों की पहचान करने के लिए मशीन लर्निंग का उपयोग करके, हमने महत्वपूर्ण आपूर्ति बाधाओं का ब्लू सेंटर इंडेक्स बनाया। यह इंडेक्स दिखाता है कि जहां आम आपूर्ति शृंखला झटकों से जल्दी ठीक हो जाती हैं, वहीं जरूरी आपूर्ति शृंखला पर ज्यादा गंभीर असर पड़ता है और उन्हें स्थिर होने में काफी समय लगता है। आज वैश्वीकरण की यही सबसे बड़ी कमजोरी है। हमने पाया कि अमेरिका की मनमानी टैरिफ नीति के चलते वैश्वीकरण का स्वरूप बदल रहा है। हम एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहे हैं, जिसमें खासकर बड़े झटकों के समय, जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति शृंखला आर्थिक सुरक्षा को परिभाषित करेंगी, न कि उपभोक्ता वस्तुएं। सरकारों और व्यवसायों के लिए चुनौती अब आपूर्ति शृंखला को ज्यादा मजबूत बनाने के बजाय जरूरी वस्तुओं के प्रवाह को सुरक्षित रखने की होगी। ग्लोबल शिपिंग एसोसिएशन बीआईएमसीओ की पूर्व अध्यक्ष सबरीना चाओ कहती हैं कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के अनुसार, इस साल टैरिफ और व्यापार नीति में बढ़ती अनिश्चितता के कारण दुनिया भर के निर्यात में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है। यूरोप में अब भी युद्ध जारी है और लाल सागर इलाके में व्यावसायिक जहाजों पर हमले हो रहे हैं। जब अमेरिका जैसा देश वैश्विक व्यापार सिद्धांतों को चुनौती देता है और ब्रेटन वुड्स सिस्टम जैसे समझौतों व डब्ल्यूटीओ जैसे संगठनों के इरादे कमजोर होते हैं, तो वैश्विक व्यापार पर बुरा असर पड़ता है। पर कभी-कभी आगे बढ़ने से पहले पीछे मुड़कर देखना भी लाभप्रद होता है। इस संदर्भ में, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों के बीच 2025 में हुए क्षेत्रीय समझौते महत्वपूर्ण हैं, जो दुनिया को बहुध्रुवीय बनाने के साथ वैश्विक व्यापार को भी एक नया रूप दे रहे हैं। ऐसे में, वैश्विक व्यापार जिस अनिश्चितता से जूझ रहा है, वह ज्यादा लंबे समय तक टिकेगी नहीं।

रणथंभौर और गांधी-नेहरू परिवार- ये रिश्ता क्या कहलाता है?

(विनोद पाठक)

रणथंभौर के साथ गांधी-नेहरू परिवार का औपचारिक परिचय प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में हुआ। वर्ष 1961 में जब ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय भारत की राजकीय यात्रा पर आईं, तब नेहरू उन्हें राजस्थान की वीरता और वैभव दिखाने के लिए जयपुर ले गए थे। राजस्थान के सवाई माधोपुर में स्थित रणथंभौर नेशनल पार्क केवल बाघों का संरक्षण केंद्र नहीं है, बल्कि यह भारतीय राजनीति के सबसे शक्तिशाली परिवार गांधी-नेहरू परिवार की तीन पीढ़ियों के निजी और सार्वजनिक जीवन का गवाह रहा है। अरावली और विंध्य की पहाड़ियों के मिलन स्थल पर बसा यह जंगल कभी जयपुर के महाराजाओं का निजी शिकारगाह था, लेकिन आज यह गांधी-नेहरू परिवार का सबसे पसंदीदा प्राइवेट रिट्रीट बन चुका है।

प्रियंका गांधी मां सोनिया गांधी और भाई राहुल गांधी समेत पूरे परिवार के साथ पुत्र रेहान वाड्रा व अवीवा बेग की सगाई का उत्सव यहां मनाने पहुंची हैं। इस जंगल और इस परिवार के दशकों पुराने जटिल संबंधों की कहानी कूटनीति से शुरू होकर संरक्षण के रास्ते होते हुए विलासिता के विवादों से गुजरी तथा आज एक गहरी भावनात्मक विरासत पर आकर टिकी है।

रणथंभौर के साथ गांधी-नेहरू परिवार का औपचारिक परिचय प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में हुआ। वर्ष 1961 में जब ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय भारत की राजकीय यात्रा पर आईं, तब नेहरू उन्हें राजस्थान की वीरता और वैभव दिखाने के लिए जयपुर ले गए थे।

उस समय रणथंभौर एक नेशनल पार्क नहीं, बल्कि जयपुर राजघराने की संपत्ति था। नेहरू के लिए रणथंभौर एक कूटनीतिक मंच था। महारानी के सम्मान में वहां एक भव्य टाइगर हंट आयोजित किया गया था। ऐतिहासिक संस्मरणों के अनुसार नेहरू स्वयं शिकार के विरोधी थे, लेकिन उस समय के अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल और शाही परंपराओं के आगे वे मौन रहे। यह वह दौर था, जब रणथंभौर का उपयोग दुनिया के सामने भारत की रॉयल छवि पेश करने के लिए किया जाता था।

रणथंभौर को विनाश से बचाने और उसे आज के वैभवशाली रूप में लाने का श्रेय निर्विवाद रूप से इंदिरा गांधी को जाता है। नेहरू के दौर में जहां यह शिकारगाह था तो इंदिरा गांधी के समय में यह अभयारण्य बना। इंदिरा गांधी का प्रकृति प्रेम सर्वविदित था।

उनके कार्यकाल में वर्ष 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम आया और वर्ष 1973 में ऐतिहासिक प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत हुई। रणथंभौर के विकास में उनका सबसे बड़ा योगदान टाइगर मैन कैलाश सांखला को पूर्ण समर्थन देना था।

इंदिरा गांधी अक्सर यहां बाघों की स्थिति जानने आती थीं। उन्होंने वर्ष 1980 में इसके कोर एरिया को नेशनल पार्क घोषित किया। उनके लिए रणथंभौर पिकनिक का स्थान नहीं, अपितु एक इकोलॉजी मिशन था। आज जो पर्यटक यहां बाघ देखते हैं, वे अनजाने में इंदिरा गांधी के उस विजन का लाभ उठा रहे हैं, जिसने शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया था।

हालांकि, गांधी-नेहरू परिवार और रणथंभौर के संबंधों में सबसे काला तथा विवादित अध्याय दिसंबर 1987 में लिखा गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी अपनी पत्नी सोनिया गांधी, बच्चों राहुल व प्रियंका, बॉलीवुड के सुपरस्टार अभिताभ बच्चन के परिवार तथा सोनिया गांधी के इतालवी रिश्तेदारों के साथ यहां नया साल मनाने पहुंचे थे।

यह यात्रा भारतीय राजनीति में विपक्षी प्रहार का सबसे बड़ा हथियार बनी। वरिष्ठ पत्रकार तवलीन सिंह ने अपनी पुस्तक दरबार में इस यात्रा का आंखों देखा हाल लिखा। उन्होंने लिखा कि उस समय राजस्थान भीषण सूखे और अकाल से जूझ रहा था। गांव-गांव में पशु मर रहे थे और जनता त्रस्त थी, लेकिन राज्य का पूरा प्रशासनिक तंत्र जोगी महल में प्रधानमंत्री की मेहमाननवाजी में लगा था।

तब सोनिया गांधी के इतालवी रिश्तेदारों की उपस्थिति ने विपक्ष को यह कहने का मौका दिया था कि देश की सुरक्षा और संवेदनशील जंगलों के साथ विदेशी प्रभाव के कारण समझौता किया जा रहा है। आरोप लगे कि प्रधानमंत्री के मित्रों और परिवार के लिए भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों और सरकारी वाहनों का बेजा इस्तेमाल हुआ।

रणथंभौर के ऐतिहासिक जोगी महल को आम जनता और पर्यटकों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया था। तब पत्रकारों ने इसे लोकतंत्र में राजशाही का उदय करार दिया। उस समय बोफोर्स कांड की आहट सुनाई दे रही थी और अमिताभ बच्चन की राजीव गांधी के साथ इस पिकनिक में मौजूदगी ने क्रोनी कैपिटलिज्म के नैरेटिव को और हवा दी।

इसी दौर में राजीव गांधी की लक्षद्वीप यात्रा और आईएनएस विराट के उपयोग का मामला भी उछला था। इन दोनों घटनाओं, रणथंभौर और लक्षद्वीप, ने मिलकर राजीव गांधी की छवि एक मॉर्डन रिफॉर्मर से बदलकर एक ऐसे नेता की कर दी जो जनता की पीड़ा से कटा हुआ था।

वैसे, राजीव गांधी की उस विवादित यात्रा के दौरान प्रियंका गांधी एक किशोरी थीं। जहां दुनिया के लिए वह एक विवादित पिकनिक थी, वहीं प्रियंका गांधी के लिए वह अपने पिता के साथ बिताए गए अंतिम सुखद पलों में से एक था। देखा जाए तो प्रियंका गांधी का रणथंभौर के प्रति बार-बार खिंचाव एक इमोशनल रिट्रीट है।

बकौल प्रियंका, उनके लिए रणथंभौर का हर मोड़ और हर बाघिन की दहाड़ उनके पिता की याद दिलाती है। उन्होंने अक्सर साक्षात्कारों में कहा है कि प्रकृति उन्हें हीलिंग का अहसास देती है।

वे रणथंभौर में एक सामान्य पर्यटक की तरह नहीं, बल्कि एक वन्यजीव विशेषज्ञ की तरह समय बिताती हैं। उन्हें रणथंभौर की मशहूर बाघिनों के वंश के विषय में पूरी जानकारी है। दिल्ली की सत्ता और राजनीति के शोर से दूर, रणथंभौर का जंगल उन्हें वह एकांत प्रदान करता है, जहां वे केवल 'प्रियंका' हो सकती हैं, 'गांधी' नहीं।

अब रणथंभौर के एक निजी और सुरक्षित परिवेश में प्रियंका के पुत्र रेहान वाड्रा और अवीवा बेग की सगाई का आयोजन हो रहा है। रेहान की सगाई के लिए इस स्थान को चुनना यह दर्शाता है कि गांधी-नेहरू परिवार की नई पीढ़ी भी अपने पूर्वजों की उस जंगली विरासत को सहेज कर रखना चाहती है।

हालांकि, रणथंभौर और गांधी-नेहरू परिवार का रिश्ता केवल छुट्टियों का रिश्ता नहीं है। यह भारत के एक सबसे शक्तिशाली परिवार के उतार-चढ़ाव, उनकी व्यक्तिगत रुचियों और उनके राजनीतिक जीवन की संवेदनशीलता का एक जीवंत दस्तावेज है।

बाघों की दहाड़ के बीच, इस परिवार ने यहां शांति भी पाई है और विवादों के तूफान भी झेले हैं। निश्चित रूप से वर्ष 2025 के अंतिम दिन की यह सगाई इसी लंबी और जटिल कहानी का एक नया और सुखद अध्याय है। यह लेखक के निजी विचार हैं।

मुख्यालय में नहीं मिलते अधिकारी, किसान हो रहे परेशान

सिंचाई की अनुमति लेने कई दिनों से लगा रहे कार्यालय का चक्कर

भानुप्रतापपुर। सिंचाई से संबंधित कार्यों के चलते किसानो को दर-दर भटकना पड़ रहा है। जल संसाधन विभाग के अधिकारी कार्यालय में उपस्थित नही रहने से क्षेत्र के ग्रामीण किसानों को मूलभूत सुविधाएं नही मिल पा रही है। अपने कार्य को लेकर ग्रामीण जल संसाधन कार्यालय का प्रतिदिन चक्कर लगा रहे है। ऐसे ही संबलपुर के एक किसान का मामला सामने आया है जो उड़द फसल के सिचाई के अनुमति के लिए एक जनवरी से अधिकारी से मिलने कार्यालय पहुच रहे है लेकिन अधिकारी से मुलाकात नही होने से आर्थिक मानसिक दंश झेल रहे है। इसी तरह ग्राम घोठा के किसान जो मक्का को फसल लगाने के लिए सिंचाई की अनुमति लेने जल संसाधन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय का पिछले 5 दिनों से चक्कर लगा रहे है, लेकिन अधिकारी के नहीं मिलने से उनका कार्य अटका हुआ है। जानकारी के अनुसार आवेदिका अमोला बाई पिता शम्भूराम निवासी संबलपुर की है जिनका किसानी खसरा नंबर 212/2, रकबा 0.4250 हेक्टेयर भूमि सीधे चवेला नदी से लगी हुई है। नदी के किनारे खेत होने के बावजूद विभाग के लापरवाही के कारण सिंचाई की सुविधा किसान को नही मिल पा रही है। उन्होंने बताया कि सिंचाई सुविधा के अभाव में अपनी उपज बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। खेत नदी के किनारे होने के बावजूद किसानों को नलकूप की अनुमति न मिल पाने से वे भारी संकट का सामना कर रहे हैं। इसी प्रकार चैत राम पिता लाल सिंह निवासी घोठा भी अपने कृषि भूमि खसरा नंबर 1214/4 रकबा 0.50 हे. में उड़द व मक्का की फसल की सिंचाई हेतु अनुमति के लिए जल संसाधन विभाग का चक्कर लगा रहे है। पिछले 3-4 दिन से लगातार कार्यालय आ रहे है लेकिन अधिकारी से मुलाकात नहीं हो पा रही है। इसके पूर्व भी किसानो ने आरोप लगाया था की अनुविभागीय अधिकारी अपने कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते। उनके इसी रवैये से क्षेत्र के किसानो और आम जन में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि सिंचाई हेतु नलकूप की स्वीकृति नहीं मिलने से फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई हैं। किसान बारिश पर ही निर्भर हैं, जिससे उत्पादन लगातार घटता जा रहा है। किसानों का कहना है कि आधुनिक युग में भी यदि सिंचाई सुविधा न मिले तो खेती करना घाटे का सौदा बन जाता है।

धान, सब्जी एवं अन्य मौसमी फसलें पानी के अभाव में नष्ट हो रही हैं, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से नदी से नलकूप की अनुमति प्रदान की जाए, जिससे वे अपने खेतों की समय पर सिंचाई कर सकें और फसल को बचा सकें यदि शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आने वाले समय में कई किसान खेती छोड़ने को मजबूर हो सकते हैं या उग्र आंदोलन हेतु बाध्य हो सकते है।

जल संसाधन विभाग के खिलाफ होगा प्रदर्शन

आप पार्टी के ब्लाक अध्यक्ष रोहित केमरो ने बताया की क्षेत्र के किसानो के साथ अन्याय बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्षेत्र के किसान बारिश के बाद नहर व बांध के जल से खेतों की सुंचाई करते है। कृषि ही यहाँ के किसानो की आय का प्रमुख माध्यम है। इस कार्य में विभाग की लापरवाही और उदासीनता दिखना ठीक नहीं है। इसके पूर्व भी अनुविभागीय अधिकारी के खिलाफ कई मामलो में शिकायते हुई है लेकिन उच्च अधिकारियों की साँठ गाँठ से मामले को रफा दफा कर दिया गया। लेकिन इस बार किसानो के साथ हो रहे अन्याय और लापरवाही को आप पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी और जल्द ही विभाग और उनके अधिकारी के खिलाफ प्रदर्शन व कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

विश्रामपुरी में अवैध परिवहन के दौरान 675 बोरी धान जब्त

कोण्डागांव। खरीफ विपणन वर्ष 2025 अंतर्गत धान खरीदी के दौरान धान के अवैध परिवहन और भण्डारण पर कड़ी निगरानी रखी जा रही हैं। इसी क्रम में केशकाल विकासखंड अंतर्गत विश्रामपुरी मछली मार्ग के पास अवैध परिवहन के प्रकरण में 675 बोरी जब्त की गई है। खाद्य अधिकारी नवीन श्रीवास्तव ने बताया कि अनुविभागीय अधिकारी (रा.) केशकाल आकांक्षा नायक के निर्देशन में खाद्य विभाग व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा रोशन ट्रेडर्स बोराई नगरी (प्रॉपराइटर पदम भंसाली) के द्वारा बिना अनुज्ञा के 675 बोरा धान (अनुमानित कीमत 5 लाख 13 हजार) अवैध परिवहन करते पाया गया, जिसे वाहन सहित जप्त कर विश्रामपुरी थाना में सुपुर्द कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

मंत्री केदार कश्यप एवं बस्तर सांसद महेश कश्यप ने छोटेडोंगर में 6 करोड़ 3 लाख 97 हजार रुपये के निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

नारायणपुर। राज्य सरकार के वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप के मुख्य आतिथ्य तथा बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप की अध्यक्षता में जिले के एक दिवसीय भ्रमण के दौरान छोटेडोंगर में भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दोनों जनप्रतिनिधियों द्वारा लोक निर्माण विभाग, वन विभाग एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत कुल 6 करोड़ 3 लाख 97 हजार रुपये की लागत से सात महत्वपूर्ण विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। भूमिपूजन किए गए कार्यों में विकासखंड नारायणपुर अंतर्गत धौड़ाई में हायर सेकेंडरी स्कूल भवन निर्माण हेतु 1 करोड़ 21 लाख 16 हजार रुपये, चिपरेल नगर वन परियोजना के लिए 89 लाख 22 हजार रुपये तथा नवीन विश्रामगृह निर्माण कार्य हेतु 1 करोड़ 1 लाख रुपये शामिल हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत कुकड़ाझोर-आकाबेड़ा मार्ग से ताड़ोनार तक सड़क निर्माण के लिए 85 लाख 93 हजार रुपये, कस्तुरमेटा-मोहंदी मार्ग से ब्रेहबेड़ा तक सड़क निर्माण हेतु 63 लाख 78 हजार रुपये, कस्तुरमेटा-मोहंदी मार्ग से मलकाल तक सड़क निर्माण कार्य के लिए 97 लाख 25 हजार रुपये तथा कस्तुरमेटा-मोहंदी मार्ग से मोहंदी गांव तक सड़क निर्माण हेतु 45 लाख 63 हजार रुपये के कार्यों का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार इस क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है और निश्चित ही यह क्षेत्र आने वाले समय में प्रदेश का एक समृद्ध एवं मॉडल क्षेत्र के रूप में विकसित होगा। उन्होंने जानकारी दी कि ओरछा से नारायणपुर तक बनने वाली सड़क का निर्माण कार्य तीन चरणों में पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए टेंडर निरस्त किए जाएंगे। इस अवसर पर उन्होंने छोटेडोंगर के हायर सेकेंडरी स्कूल में शेड निर्माण कराए जाने की भी घोषणा की। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को क्षेत्र में जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू कर विकास को गति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि डीएमएफ मद की राशि का उपयोग कर क्षेत्रीय विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने महतारी वंदन योजना, तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में किए जा रहे कार्यों, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा मोदी की गारंटी के तहत संचालित योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में प्रदेश का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉल एवं सुशासन एक्सप्रेस शिविर का वन मंत्री एवं सांसद द्वारा अवलोकन किया गया। इस अवसर पर पशुपालन विभाग द्वारा स्वसहायता समूह की महिलाओं को कीट वितरण किया गया तथा भारत माता स्वसहायता समूह की महिलाओं को ई-रिक्शा प्रदान किए गए। खाद्य एवं पोषण सुरक्षा (दलहन) योजना अंतर्गत किसानों को मसूर बीज का वितरण किया गया। इसके साथ ही आय, निवास एवं जाति प्रमाण पत्र तथा किसान किताब का वितरण किया गया।

गढ़ बांसला में दो दिवसीय देवी मेले का भव्य आगाज उमड़ा जनसैलाब, बस्तरिया संस्कृति की दिखी झलक

भानुप्रतापपुर। बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोक परंपराओं का प्रतीक 'गढ़ बांसला मेला' हर्षोल्लास के साथ शुरू हो गया है। दो दिवसीय इस मेले का शुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाजों और स्थानीय देवी-देवताओं की भव्य परिक्रमा के साथ हुआ। मेले के पहले ही दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। मेला की तैयारी पिछले एक महीनों से किया जा रहा था।

रिश्तों की मिठास और आतिथ्य सत्कार

मेला-मड़ाई का महत्व केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपसी मेल-मिलाप का एक बड़ा केंद्र है। मेले के दौरान दूर-दराज से आए रिश्तेदारों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोग अपने मेहमानों का स्वागत पूरे उत्साह और पारंपरिक खातिरदारी के साथ कर रहे हैं। बस्तर की यह परंपरा जीवंत है, जहाँ एक रिश्तेदार दूसरे के घर मेहमान बनकर पहुंचता है और खुशियां बांटता है।

आकर्षण का केंद्र: मीना बाजार और झूले

मेले की रौनक बढ़ाने के लिए इस बार कई विशेष इंतजाम किए गए हैं। बच्चों और युवाओं के लिए, मीना बाजार जहाँ खरीदारी के लिए लोगों की भारी भीड़ जुट रही है। राहटौली झूले और बच्चों के छोटे झूले मेले के मुख्य आकर्षण बने हुए हैं। पकवान और दुकानें स्थानीय व्यंजनों और खिलौनों की दुकानों से मेला परिसर गुलजार है।

जारी रहेगी मेले की धूम

आयोजकों ने बताया कि यह मेला भी आयोजित किया जाएगा। अधिक संख्या में लोगों के जुटने की संभावना है, क्योंकि इस दिन मेले का समापन और विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। बस्तर की मड़ाई परंपरा केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी पहचान है। गढ़ बांसला का यह मेला हमारी आस्था और आपसी सद्भाव को और मजबूत करता है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का शुभारंभ कोण्डागांव में निकली बाइक हेलमेट रैली

कोण्डागांव। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 का शुभारंभ सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय कोण्डागांव से किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा के मार्गदर्शन में किया गया, जहां उप पुलिस अधीक्षक स्निग्धा सलामे ने बाइक हेलमेट रैली को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेंद्र देव पटेल, उप पुलिस अधीक्षक सतीश भार्गव, उप पुलिस अधीक्षक केपी मरकाम सहित पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बाइक हेलमेट रैली पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्रारंभ होकर रायपुर नाका, जय स्तंभ चौक, बस स्टैंड, बांधा तालाब, मर्दापाल चौक होते हुए पुलिस लाइन चिखलपुटी में संपन्न हुई। रैली के माध्यम से दोपहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने, नियंत्रित गति से वाहन चलाने तथा यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत जिलेभर में पूरे माह विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें स्कूल एवं कॉलेजों में यातायात जागरूकता कार्यक्रम, चौक-चौराहों पर जनसंवाद व हेलमेट रैली, रंगोली, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं, लर्निंग लाइसेंस शिविर, वाहन चालकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। पुलिस विभाग का उद्देश्य इन आयोजनों के माध्यम से आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति सजग, जिम्मेदार और सुरक्षित बनाना है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सके।

युवा जोहार कार्यक्रम के तहत भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष नागेश देवांगन का मंडल दौरा शुरू

कोण्डागांव। भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष नागेश देवांगन ने युवा जोहार कार्यक्रम के तहत मंडल दौरे की शुरुआत बड़ेडोंगर स्थित मां दंतेश्वरी जी का आशीर्वाद लेकर की। उनके इस दौरे का उद्देश्य संगठन को मजबूत करना, जिला कार्यकारिणी एवं मंडल विस्तार को गति देना बताया गया। मंडल दौरे के क्रम में प्रथम बैठक बड़ेडोंगर मंडल में मां दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में आयोजित की गई, जबकि द्वितीय बैठक फरसगांव मंडल के युवा मोर्चा कार्यालय में संपन्न हुई। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचने पर युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस दौरान आतिशबाजी और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका जोरदार स्वागत किया गया। बैठकों के दौरान नागेश देवांगन ने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं से सीधे संवाद कर भाजपा की रीति-नीति और विचारधारा से नए युवाओं को जोड़ने की अपील की तथा अधिक से अधिक युवाओं को पार्टी का सदस्य बनाने के लिए सक्रिय अभियान चलाने का आह्वान किया। युवा जोहार कार्यक्रम के माध्यम से जिलेभर में मंडल स्तर पर दौरा कर युवाओं से मुलाकात, संगठन विस्तार और सक्रिय सहभागिता बढ़ाने की रणनीति पर कार्य किया जा रहा है।

कोण्डागांव वनमण्डल अंतर्गत 202 वन प्रबंधन समितियों की हुई बैठक

कोण्डागांव। वन मंडल कोंडागांव अंतर्गत 202 वन प्रबंधन समितियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समितियों के सदस्यों द्वारा सर्वप्रथम नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए लाभांश राशि, अग्नि सुरक्षा, वनों की सुरक्षा, कूप विदोहन से संबंधित विषयों पर चर्चा एवं सुझाव दिया गया। साथ ही अवैध कटाई, अतिक्रमण के रोकथाम के संबंध में में भी चर्चा हुई। बैठक में वन एवं वन्यजीव की घटनाओं को रोकने संबंधी आवश्यक उपायों, वनों को आग से बचाने, अवैध कटाई, अतिक्रमण के रोकथाम, वन संपदा का संरक्षण, लाभांश राशि का उपयोग विकास कार्यों में करने जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श किया गया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा वन एवं वन्यजीव की सुरक्षा तथा स्थानीय लोगों को वन संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर एक स्वर में सहमति व्यक्त की गयी। साथ ही यह अपील की गई कि वनों की सुरक्षा, अवैध कटाई, अतिक्रमण को किसी भी हालत में नहीं होने देना हैं। वन हमारे जीवन के लिए अत्यंत जरूरी है। आने वाली पीढ़ी के लिए वनों को बचाकर रखना है ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियों को ऑक्सीजन, वन संपदा का लाभ मिलता रहे। वन प्रबंधन समिति को मजबूत बनाने तथा समिति के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ाने पर जोर दिया गया ताकि वन प्रबंधन समिति के माध्यम से स्थानीय लोगों को स्वरोजगार एवं वन संसाधनों का लाभ दिलाया जा सके।

हर बेटी सक्षम अभियान के तहत जिले में विधिक जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित

कोंडागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के निर्देशन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी रेनू प्रकाश के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा समान अवसर और भागीदारी हर बेटी सक्षम अभियान के अंतर्गत जिले में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के तहत 03 दिसम्बर अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर 01 से 30 दिसम्बर एवं 5 दिसम्बर अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर 5 से 15 दिसम्बर तथा 10 दिसम्बर मानव अधिकार दिवस के अवसर पर 10 से 20 दिसम्बर तक विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बालिकाओं की पहचान कर स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के सहयोग से उन्हें आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाने हेतु जागरूक किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बालिकाओं के शैक्षणिक जीवन को सहज एवं सुलभ बनाना तथा उनके भविष्य निर्माण हेतु मार्गदर्शन प्रदान करना रहा। इसके अंतर्गत दिव्यांग बालिकाओं के लिए विशेष करियर परामर्श एवं काउंसलिंग सत्र आयोजित किए गए, जिसमें उन्हें उनकी क्षमताओं के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही सफल दिव्यांग महिलाओं की प्रेरणादायक कहानियों, सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं रोजगार के अवसरों पर चर्चा की गई। विशेष जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं, स्कूल एवं छात्रावास के बालक-बालिकाओं, समूह की महिलाओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं मितानिनों को शिक्षा, स्वास्थ्य, संरक्षण, जीवन शैली, समान अधिकार, पोषण एवं देखरेख जैसे विषयों पर सशक्त एवं जागरूक बनाया गया। इसके लिए चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता, युवा संवाद कार्यक्रम, समाज में बालिकाओं की भूमिका एवं महत्त्व पर व्याख्यान तथा बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत शपथ ग्रहण जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गई।

वनरक्षक से वनपाल बने गुदराम मरकाम और श्रवण नेताम को डीएफओ ने स्टार लगाकर किया सम्मानित

केशकाल। केशकाल वनमंडल अंतर्गत 11 जनवरी 2013 से पदस्थ वनरक्षक गुदराम मरकाम एवं श्रवण कुमार नेताम विगत 1 जनवरी 2026 को वनपाल के पद पर पदोन्नत हुए हैं। इस अवसर पर मंगलवार को केशकाल वनमण्डल कार्यालय में डीएफओ दिव्या गौतम व फरसगांव एसडीओ एन.के सिन्हा के द्वारा वनपाल गुदराम मरकाम एवं वनपाल श्रवण नेताम का स्टार अलंकरण कर सम्मानित किया गया। स्टार अलंकरण के दौरान में विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे और सभी ने पदोन्नत कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की। इस अवसर पर केशकाल डीएफओ दिव्या गौतम ने दोनों अधिकारियों को उनकी पदोन्नति पर हार्दिक बधाई देते हुए नए दायित्वों का ईमानदारी, निष्ठा एवं कर्तव्य परायणता के साथ निर्वहन करने की शुभकामनाएँ दी गईं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दोनों पदोन्नत वनपाल अपने अनुभव और कार्यकुशलता से वन संरक्षण एवं विभागीय कार्यों को और अधिक सुदृढ़ करेंगे। इस दौरान फरसगांव वन परिक्षेत्र अधिकारी आर.एस यादव समेत वनमण्डल केशकाल के अधिकारी कर्मचारी भी मौजूद रहे।

धान उठाव में तेजी लाने के दिए निर्देश, कलेक्टर ने साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में की योजनाओं की समीक्षा

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। नए वर्ष की पहली समय-सीमा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए नए उत्साह और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने को कहा। बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिले में चल रही धान खरीदी की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी की प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी रहनी चाहिए। उन्होंने धान उठाव में तेजी लाने हेतु जिला विपणन अधिकारी (डीएमओ) को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही पीडीएस बारदाने का शत-प्रतिशत संग्रहण सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि 01 जनवरी से सभी शासकीय कार्यालयों में डिजिटल कार्यप्रणाली लागू हो चुकी है। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को ऑनलाइन उपस्थिति का अनिवार्य रूप से पालन करने तथा ई-ऑफिस के माध्यम से ही कार्यालयीन कार्य संपादित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त राज्य शासन द्वारा योजनाओं की सतत निगरानी एवं मूल्यांकन हेतु बनाए गए अटल मॉनिटरिंग पोर्टल में समयबद्ध एवं सही डाटा एंट्री

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर में तीन दिवसीय 'विकसित भारत 2047' जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ

बिलासपुर। केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर द्वारा बिलासपुर स्थित ऊर्जा शिक्षा उद्यान में आयोजित तीन दिवसीय 'विकसित भारत ङ्घ2047' जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं भव्य चित्र प्रदर्शनी का आज शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम आगामी 7 जनवरी 2026 तक आम नागरिकों के अवलोकन हेतु खुला रहेगा। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सवन्नी ने प्रदर्शनी स्थल का भ्रमण कर विभिन्न थीम आधारित स्टॉलों का अवलोकन किया तथा आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत ङ्घ2047' देश को आत्मनिर्भर, समृद्ध और वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाने की दिशा में एक सशक्त राष्ट्रीय संकल्प है, जिसे जनभागीदारी के माध्यम से ही साकार किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान गीत एवं नाट्य विभाग के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से केंद्र सरकार की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया गया, जिसे दर्शकों ने विशेष रूप से सराहा। तीन दिवसीय आयोजन के अंतर्गत 'विकसित भारत' के चार प्रमुख स्तंभ—युवा, महिला, किसान और गरीब—पर केंद्रित विशेष चित्र प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसमें भारत की विकास यात्रा, प्रमुख सरकारी पहलें और भावी दृष्टिकोण को दर्शाया गया है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य, 'विकसित भारत ङ्क जी राम जी' के प्रभावी क्रियान्वयन तथा स्वतंत्रता की शताब्दी तक भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने के विज़न पर प्रकाश डाला जा रहा है। कार्यक्रम में आर्थिक, सामाजिक एवं डिजिटल सशक्तिकरण, युवाओं के कौशल विकास तथा केंद्र सरकार की योजनाओं से नागरिकों को जोड़ने के उद्देश्य से विशेष सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही, प्रतिभागियों को 'माई गवर्नमेंट' पोर्टल के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण हेतु अपने सुझाव एवं नवाचारी विचार साझा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जन-जागरूकता को और अधिक सहभागितापूर्ण बनाने के लिए स्कूली छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय प्रतिभागियों के लिए पोस्टर मेकिंग, चित्रकला, स्लोगन लेखन, मेहंदी और रंगोली जैसी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आगामी दिनों में सम्मानित किया जाएगा। केंद्रीय संचार ब्यूरो एवं सहयोगी संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह प्रदर्शनी आम नागरिकों के लिए पूर्णत: नि:शुल्क है। इच्छुक नागरिक आगामी दो दिनों तक ऊर्जा शिक्षा उद्यान, बिलासपुर में आकर प्रदर्शनी का अवलोकन कर सकते हैं और विकसित भारत की परिकल्पना से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ सकते हैं।

कलेक्टर एस. जयवर्धन ने एसआईआर अंतर्गत नो मैपिंग प्रकरणों की समीक्षा बैठक ली

सूरजपुर। श्री एस. जयवर्धन ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के समस्त राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत नो मैपिंग प्रकरणों की सुनवाई की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि नोटिस तामिल और सुनवाई की प्रक्रिया युद्ध स्तर पर कराते हुए तय सीमा समय पर निर्धारित कार्यो को पूर्ण करना है।उल्लेखनीय है कि एसआईआर के तहत बीएलओ के माध्यम से संबंधित व्यक्तियों को नोटिस तामील कराई जा रही है, जिनकी सुनवाई निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) द्वारा नियमानुसार की जा रही है। बैठक में उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार वर्चुअल माध्यम से बैठक

मंत्री टंकराम वर्मा ने पीजी कॉलेज धमतरी का किया निरीक्षण

धमतरी। प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने आज धमतरी प्रवास के दौरान बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (पीजी कॉलेज) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने महाविद्यालय परिसर में प्रस्तावित लॉ कॉलेज तथा 200 सीटर डिजिटल लाइब्रेरी के लिए आरक्षित स्थल का अवलोकन किया। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने मंत्री श्री वर्मा को प्रधानमंत्री उषा योजना के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में प्रस्तावित अधोसंरचना विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित डिजिटल लाइब्रेरी में ई-बुक्स, ई-जर्नल्स, ऑनलाइन शोध डाटाबेस, स्मार्ट रीडिंग जोन, हाई-स्पीड इंटरनेट सुविधा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित डिजिटल अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इससे विद्यार्थियों को शोध, स्व-अध्ययन और आधुनिक शैक्षणिक संसाधनों तक सुलभ पहुंच सुनिश्चित होगी।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की योजनाओं की समीक्षा

बिलासपुर को मिली शासकीय सैनिक स्कूल खोलने की मंजूरी

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक टीएल बैठक में राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं और लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों में जनसुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तेजी से काम करने को कहा हे। उन्होंने बताया कि बिलासपुर जिले के लिये एक नये शासकीय सैनिक स्कूल खोलने की स्वीकृति मिली है। इसके लिए 10 एकड़ शासकीय भूमि चिन्हांकन के निर्देश एसडीएम को दिए। उन्होंने मिशन कर्मयोगी पोर्टल में सभी अधिकारी-कर्मचारियों को पंजीयन कराने के निर्देश दिए। क्षमता विकास एवं प्रशिक्षण के लिए इस पोर्टल का निर्माण किया गया है। उन्होंने इस संबंध में एक जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित करने को भी कहा है। बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने बिलासपुर शहर के विकास को लेकर मंत्रालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगले 20-25 साल में बिलासपुर शहर की जरूरतों का आकलन कर इस दिशा में हमें काम करना है। रायपुर के बाद बिलासपुर राज्य का दूसरा बड़ा शहर है। जनसुविधाएं और अन्य विकास कार्यों में हमें अच्छा से अच्छा काम करना है। उन्होंने बैठक में ठेकेदारों की सुविधा के अनुसार नहीं बल्कि जनसुविधाओं को ध्यान में रखकर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों के लिए सरकारी भूमि सीमित है। भविष्य में भी योजनाओं के विस्तार के लिए भूमि की निरंतर जरूरत पड़ती रहेगी। इसलिए अधिकारी वर्तमान भवन निर्माण कार्यों की बुनियाद इतनी मजबूत रखें कि भविष्य में उसके ऊपर दो-तीन मंजिला भवन बनाया जा सके। कलेक्टर ने बैठक में पीएम सूर्यघर योजना की प्रगति की भी समीक्षा की। विद्युत

विभाग के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि 5226 आवेदन मिले हैं। इनमें 1588 आवेदकों के घरों में सोलर पैनल लगाकर विद्युत उत्पादन का काम शुरू हो गया है। उन्होंने सभी अधिकारियों को भी अपने घरों में सोलर प्लाण्ट स्थापित कर योजना का लाभ लेने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 13 जनवरी को दिशा समिति के बैठक की जानकारी जिला पंचायत में कल तक जमा करने के निर्देश दिए। बैठक में पीएम पोर्टल,मुख्यमंत्री जनदर्शन, मुख्यमंत्री की घोषणा, राज्यपाल एवं विभिन्न आयोगों से प्राप्त प्रकरणों के निराकरण की प्रगति की जानकारी ली और समय-सीमा में समाधान करने के निर्देश दिए। विभिन्न विभागों के बीच आपसी समन्वय के विभिन्न विषयों का निराकरण भी टीएल बैठक में किया गया।

रामपुर विधायक प्रतिनिधि जयकिशन पटेल जेल दाखिल

कोरबा। आरक्षक से मारपीट और जातिगत गाली-गलौज के गंभीर मामले में रामपुर विधायक प्रतिनिधि जयकिशन पटेल को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। घटना 31 दिसंबर की रात रजगामार पुलिस चैकी परिसर में हुई थी, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरक्षक विकास कोसले करतला थाना से डाक लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे थे और रात में अपने घर लौट गए थे। इसी दौरान उनके ममेरे भाई राजेंद्र जांगड़े ने घर पहुंचकर बताया कि जयकिशन पटेल ने उनके साथ मारपीट की है। इसके बाद आरक्षक विकास कोसले अपने भाई को लेकर रजगामार पुलिस चैकी पहुंचे ।

श्री रामलला दर्शन योजना:संभाग से 850 और जिले के 225 श्रद्धालु अयोध्या के लिए रवाना

■ बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर। श्री रामलला दर्शन योजना के तहत आज आस्था स्पेशल ट्रेन बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालु को लेकर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस विशेष ट्रेन को बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। श्री शुक्ला ने कहा कि श्री राम लला दर्शन योजना आस्था का सम्मान है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, सीईओ श्री संदीप अग्रवाल मौजूद रहे। बिलासपुर रेलवे स्टेशन से अयोध्या धाम यात्रा के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं का स्टेशन में भव्य स्वागत किया गया। गाजे बाजे और पारंपरिक नृत्य, तिलक लगाकर, फूल माला और पुष्प वर्षा से भक्तों का स्वागत किया गया। ये सभी श्रद्धालु काशी विश्वनाथ का भी दर्शन करेंगे। दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। जीपीएम जिले के ग्राम झगराखार निवासी श्री बृजलाल मानिकपुरी और श्री अशोक चौबे ने कहा कि श्री राम लला के दर्शन करना बड़े सौभाग्य की बात है। यह मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल का ही परिणाम है जो उन जैसे गरीब परिवारों को ये अवसर मिला है, यहां के व्यवस्थित इंतजामों से सभी भक्त काफी उत्साहित हैं। बिलासपुर निवासी श्रीमती रेखा सूर्यवंशी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशीलता से अनेक महिलाओं को श्री राम लला दर्शन का अवसर मिल सका है जिसके लिए वो उनके आभारी है।,उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोगों को दर्शन का लाभ मिल रहा है।

जिले के सभी 486 ग्राम पंचायतों में मनाया गया रोजगार एवं आवास दिवस

बिलासपुर। जिले के सभी 486 ग्राम पंचायतों में शासन के निर्देशानुसार रोजगार एवं आवास दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को रोजगार, आवास एवं आजीविका से संबंधित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना तथा पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से लाभ दिलाना रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के हितग्राहियों के नामों का वाचन कर उन्हें अवगत कराया गया। हितग्राहियों को आवास निर्माण हेतु प्राप्त किश्तों, मनरेगा के अंतर्गत मजदूरी भुगतान, निर्माण सामग्री की उपलब्धता, तथा अन्य विभागों के साथ अभिसरण (कन्वर्जेन्स) के माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने हितग्राहियों को

समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निर्माण पूर्ण करने हेतु आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान किया। रोजगार दिवस के अवसर पर ग्रामीणों को विकसित भारत-जी राम गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना की जानकारी दी गई। बताया गया कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए अब ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों की रोजगार गारंटी उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, सिंचाई, भू-जल पुनर्भरण, तथा वाटरशेड विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ लिया जाएगा, जिससे एक ओर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तो दूसरी ओर प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी सुनिश्चित होगा। कार्यक्रम में पारदर्शिता एवं जवाबदेही को सुदृढ़ करने के लिए अपनाई जाने वाली आधुनिक तकनीकों-जैसे बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण, मोबाइल आधारित निगरानी प्रणाली, तथा नागरिक सहभागिता प्लेटफॉर्म के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

विकसित कोरिया के लिए जनप्रतिनिधि जीरामजी योजना निर्माण में सहभागी हों-मोहित

कोरिया। जिला पंचायत के मंथन कक्ष में सोमवार को जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक संपन्न हुई। जिला पंचायत क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों द्वारा पर्यवेक्षण व क्षेत्र भ्रमण के दौरान दर्ज किए गए विषयों पर सदन में चर्चा हुई और जिला पंचायत सीईओ ने सभी संबंधित अधिकारियों को उन विषयों के निराकरण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। अध्यक्ष मोहित पैकरा की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े और जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी शामिल रहे। सामान्य सभा की बैठक में सभी जिला पंचायत सदस्य व विभागीय अधिकारियों के साथ उपसंचालक पंचायत व अन्य अधिकारी उपस्थित हुए। सामान्य सभा की बैठक के आरंभ में गत बैठक में सदन मे रखे गए सभी विषयों पर संबंधित विभाग प्रमुखों द्वारा की गई कार्यवाही की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। सदन में सदस्य सौभाग्यवती सिंह ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केद्रों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाली ग्रामीण गर्भवती माताओं को स्वल्पाहार उपलब्ध कराया जाए। इस पर जिला पंचायत सीईओ ने स्वास्थ्य विभाग को कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में होने वाले प्रत्येक योजना के कार्यों की जानकारी पूर्व से ही जिला सदस्यों को प्रदान की जाए जिससे योजनांतर्गत होने वाले कार्यों में गुणवत्ता की देखरेख जनप्रतिनिधि कर सकेगें। संचार संकर्म समिति के सभापति सुरेश सिंह ने वनांचल क्षेत्रों में संलग्नीकरण की व्यवस्था को समाप्त कर सभी विद्यालयों में शिक्षक की नियमित व्यवस्था किए।

बिलासपुर में कल वीबी-जी राम जी पर क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला वार्तालाप का होगा आयोजन

■ केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू पत्रकारों के साथ साझा करेंगे योजना का लाभ

बिलासपुर। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कल छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक दिवसीय क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला श्वार्तालापश् का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य केंद्र बिंदु विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) रखा गया है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर माननीय केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। यह कार्यक्रम बिलासपुर के मगरपारा रोड स्थित होटल सिल्वर ओक में प्रात: 11.30 बजे से शुरू होगा, जहाँ वे स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों के साथ सीधा संवाद करेंगे। इस कार्यशाला का प्राथमिक उद्देश्य भारत सरकार की विभिन्न जन-केंद्रित योजनाओं और कार्यक्रमों की व्यापक जानकारी पत्रकारों के माध्यम से आम जनता तक पहुँचाना है। कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में श्नक्सल मुक्तिश् के अभियान और प्रभावित क्षेत्रों में विकास की गति पर भी गहन चर्चा की जाएगी। यह मंच मीडिया कर्मियों को सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके जमीनी स्तर पर पड़ रहे प्रभावों को समझने के लिए एक

प्रभावी अवसर प्रदान करेगा। विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन-ग्रामीण की पृष्ठभूमि पर गौर करें तो यह मिशन भारत सरकार के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इस मिशन का उद्देश्य ग्रामीण भारत में न केवल रोजगार की गारंटी देना है, बल्कि स्थायी आजीविका के अवसरों को सृजित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाना है। इसके अंतर्गत कौशल विकास, स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन और बुनियादी ढांचे के विकास को एकीकृत किया गया है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोका जा सके और स्थानीय स्तर पर आर्थिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की जा सके। यह मिशन पारंपरिक महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार हमी - मनरेगा योजना से कई मायनों में भिन्न और अधिक उन्नत है। जहाँ मनरेगा के तहत वर्ष में 100 दिनों के रोजगार का प्रावधान है, वहीं विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत इसे बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। इसके अलावा, श्रमिकों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए मजदूरी के भुगतान की प्रक्रिया को भी तेज किया गया है; अब मजदूरी का भुगतान 15 दिनों के बजाय साप्ताहिक आधार पर सुनिश्चित किया जा रहा है।

किसान हितैषी योजनाओं से बदली तक़दीर-ग्राम सिलदहा के किसान राम कुमार का बदला जीवन

बिलासपुर। जिले के कोटा विकासखंड के ग्राम सिलदहा के किसान श्री राम कुमार पालके किसान हितैषी योजनाओं से लाभान्वित होकर अब आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ चुके हैं कृषक हितैषी योजनाओं से लाभ लेकर अब वे अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। इन योजनाओं के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री का आभार जताया है।कोटा के ग्राम सिलदहा के किसान श्री राम कुमार पालके लंबे समय तक परंपरागत खेती पर निर्भर रहे। सीमित संसाधन, मौसम की अनिश्चितता, बढ़ती लागत और फसल का उचित मूल्य न मिल पाने के कारण आमदनी बहुत कम थी। कई बार खेती के लिए उधार लेना पड़ता था और फसल खराब होने पर परिवार की आर्थिक स्थिति और भी कमजोर हो जाती थी। उन्होंने बताया कि वे सात एकड़ में खेती करते हैं, भविष्य को लेकर चिंता हमेशा बनी रहती थी। लेकिन किसान हितैषी योजनाओं से उन्हें बड़ा सहारा मिला है। विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं से जुड़कर अब उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिल रही आर्थिक सहायता से बीज, खाद और दवाइयों की व्यवस्था समय पर होने लगी। अब खेती के लिए किसी के आगे हाथ फैलाने की मजबूरी नहीं रही। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मौसम की मार से जब फसल को नुकसान पहुँचा, तब बीमा राशि ने उन्हें बड़े घाटे से बचा लिया, जिससे उन्हें यह भरोसा हुआ कि प्राकृतिक आपदा में सरकार किसानों के साथ खड़ी है। किसान क्रेडिट कार्ड से कम ब्याज दर पर ऋण मिलने से साहूकारों पर निर्भरता समाप्त हो गई और खेती से जुड़े सभी कार्य समय पर और

व्यवस्थित ढंग से होने लगे। उन्नत कृषि तकनीक एवं योजनाएँ जैसे सरकारी मार्गदर्शन से उन्होंने आधुनिक खेती के तरीकों को अपनाया, बेहतर बीज और संतुलित खाद का उपयोग किया। इससे उत्पादन में बढ़ोतरी हुई और लागत में कमी आई। इन योजनाओं से फसल की गुणवत्ता बेहतर हुई, पैदावार बढ़ी और बाजार में उचित मूल्य मिलने लगा। जहां पहले सीमित आमदनी में परिवार चलाना कठिन था, वहीं अब खेती से स्थायी और सम्मानजनक आय होने लगी। उन्होंने बताया कि कृषक उन्नति योजना से उन्हें बड़ा संबल मिला है कि इस वर्ष वे अपना धान बेच चुके हैं जिसमें उन्हें किसी तरह की दिक्कत नहीं हुई। 110 क्विंटल धान की बिक्री से मिले पैसे का उपयोग वे अपने घर के जरूरी कामों में करेंगे। उन्होंने बताया कि वे पॉम ऑयल की खेती भी कर रहे हैं जिससे उन्हें शासन की ओर से अनुदान भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों की पढ़ाई, घर की ज़रूरतों और खेती के विस्तार तीनों को अब वे बिना आर्थिक तनाव के संभाल पा रहे हैं और कर्ज के दुष्चक्र से बाहर निकलकर आत्मनिर्भर किसान बन चुके हैं।

पाईप लाईन लिकेज की मरम्मत के कारण पानी हुआ था मटमैला.....

कोरबा। नगर निगम कोरबा के वार्ड क्र. 10 भिलाईखुर्द के अंतर्गत आने वाली हाउसिंग बोर्ड कालोनी में आपूर्ति किए गए पानी के मटमैला होने के कारण क्षतिग्रस्त हुई उक्त पाईप लाईन की मरम्मत का कार्य करना था, पाईप लाईन की मरम्मत के पश्चात अब हाउसिंग बोर्ड कालोनी में शुद्ध व साफ जल की आपूर्ति की जा रही है। निगम के कार्यपालन अभियंता जलप्रदाय श्री राकेश मसीह ने बताया कि वार्ड क्र. 10 भिलाईखुर्द अंतर्गत बरबसपुर स्थित हाउसिंग बोर्ड कालोनी में जलापूर्ति की जाने वाली पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसके कारण एक दिन के लिए आकस्मिक रूप से जलापूर्ति बाधित भी हुई।निगम के कार्यपालन अभियंता जलप्रदाय श्री राकेश मसीह ने बताया कि वार्ड क्र. 10 भिलाईखुर्द अंतर्गत बरबसपुर स्थित हाउसिंग बोर्ड कालोनी में जलापूर्ति की जाने वाली पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हो गई थी निगम द्वारा उक्त क्षतिग्रस्त पाईप लाईन की मरम्मत करा दी गई है तथा पाईप लाईन के मरम्मत के कारण स्वभाविक रूप से पानी में मिट्टी धुली, जिसके परिणाम स्वरूप उस दिन नलों से मटमैला पानी निकला। उन्होने बताया कि उक्त क्षतिग्रस्त पाईप लाईन की मरम्मत होने के पश्चात अब नियमित रूप से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति जा रही है।

संगम तट पर सबसे विशेष साधना है कल्पवास

माघ मेला प्रयागराज के संगम तट पर आयोजित विश्व प्रसिद्ध धार्मिक मेला है। इस मेले की सबसे विशेष साधना है कल्पवास। कल्पवास में श्रद्धालु माघ मास की एक निश्चित अवधि तक संगम के पास रहकर संयमित और सात्विक जीवन जीते हैं। यह साधना आत्मशुद्धि, अनुशासन और ईश्वर भक्ति का मार्ग है। कल्पवास करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति के योग बनते हैं। साल 2026 में माघ मेला 3 जनवरी से शुरू होकर 15 फरवरी तक चलेगा। हजारों श्रद्धालु कल्पवास करेंगे। आइए जानते हैं कल्पवास क्या है, इसके नियम और महत्व।

कल्पवास क्या है और कितने दिन का होता है?

कल्पवास माघ मास में संगम तट पर रहकर की जाने वाली विशेष तपस्या है। यह सामान्य तौर पौष पूर्णिमा से शुरू होकर माघ पूर्णिमा तक चलता है। कुछ साधक 12 वर्षों तक कल्पवास करते हैं। कल्पवासी मेले के क्षेत्र में कुटिया या टेंट बनाकर रहते हैं। वे सरल जीवन जीते हैं, नियमित स्नान करते हैं और भक्ति में लीन रहते हैं। कल्पवास का उद्देश्य इंद्रियों पर संयम, मन की शुद्धि और ईश्वर प्राप्ति है। यह जीवन को अनुशासित और सरल बनाने की साधना है।

कल्पवास के मुख्य नियम

कल्पवास में सात्विक और अनुशासित जीवन अपनाना जरूरी है।
प्रमुख नियम : प्रतिदिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर तीन बार संगम में स्नान।
दिन में केवल एक बार सादा सात्विक भोजन (फल, दूध, अनाज)।
भूमि पर चटाई या पुआल पर सोना।
ब्रह्मचर्य, सत्य, अहिंसा और इंद्रिय संयम का पालन।
क्रोध, झूठ, लोभ और नशे से पूर्ण दूरी।
नियमित जप, ध्यान और पूजा।

कल्पवास में क्या करें और क्या नहीं करें

क्या करें :
जप, ध्यान, पूजा और सत्संग में समय दें।
धार्मिक ग्रंथों (रामायण, गीता) का पाठ करें।
जरूरतमंदों को दान और सेवा करें।
कुटिया के पास तुलसी लगाएं और जौ बोएं।
रेत पर सोने का पालन करें - यह अर्थिंग थेरैपी की तरह काम करता है।

क्या न करें :
परनिंदा, कटु वचन या झगड़ा।
भोग-विलास, दिखावा या मोबाइल का ज्यादा उपयोग।
संकल्प अवधि में मेला क्षेत्र छोड़ना।
तामसिक भोजन या नशा।

कल्पवास का रहस्य और उद्देश्य

कल्पवास का असली रहस्य बाहरी दिखावे में नहीं, बल्कि अंदरूनी परिवर्तन में है। सीमित भोजन, सरल दिनचर्या और नियमित साधना से मन शांत होता है और इच्छाओं पर नियंत्रण आता है। यह शरीर से ज्यादा मन की तपस्या है। शास्त्रों में कल्पवास को मोक्ष का मार्ग बताया गया है। संगम तट पर किया गया तप कई जन्मों के पाप नष्ट करता है। कल्पवास करने से व्यक्ति आत्मचिंतन करता है और जीवन की सार्थकता समझता है। यह साधना आत्मसंयम और भक्ति की पराकाष्ठा है।

हिंदू धर्म में शाम के समय धूनी देने की परंपरा

हिंदू धर्म में शाम के समय धूनी देने की परंपरा है। लोग अक्सर शाम के समय पूजा-पाठ के दौरान कुछ और नहीं तो कम से कम अगरबत्ती या धूप की धूनी घर में जरूर देते हैं। ऐसा माना जाता है कि धूनी देने से घर की सारी नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और घर में सुख-शांति और पॉजिटिविटी का संचार होता है। हालांकि धूनी देने का महत्व केवल धार्मिक मान्यताओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सेहत के लिए भी इसके ढेरों फायदे हैं। कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें रोज शाम घर में जलाने से नेगेटिविटी तो दूर होती ही है, साथ ही ये फिजिकल और मेंटल हेल्थ के लिहाज से भी काफी फायदेमंद होते हैं। तो चलिए आज कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में जानते हैं, जिनका धुआं आपको शाम के समय जरूर करना चाहिए।

नीम के पत्तों की धूनी

रोज शाम घर में नीम के पत्तों की धूनी देना भी काफी फायदेमंद होता है। नीम के एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण घर में मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं। इससे मौसमी बीमारियों का खतरा कम होता है। इसके अलावा नीम के पत्तों की धूनी देने से मानसिक तनाव से भी छुटकारा मिलता है और दिमाग शांत होता है। ऐसा कहा जाता है कि नीम में नेगेटिविटी को सोखने की शक्ति होती है, ऐसे में ये घर में मौजूद नेगेटिविटी को दूर कर एक सकारात्मक और खुशनुमा माहौल बनाने में मदद करता है।

लोबान की धूनी

लोबान या लोहबान का इस्तेमाल अधिकतर पूजा-पाठ और झाड़-फूंक में किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि रोज शाम थोड़ी सी लोबान जलाने से घर की नेगेटिविटी दूर होती है। आयुर्वेद के मुताबिक यदि किसी को सांस फुलने की समस्या है तो गोबर के उपले के ऊपर जरा सी लोबान, गूगल और घी डालकर जलाएं। इसकी धूनी सांस फुलने की समस्या में काफी फायदे कर सकती है। इसके अलावा लोबान की धूनी मानसिक शांति भी प्रदान करती है और मन से नेगेटिव विचारों को दूर करती है।

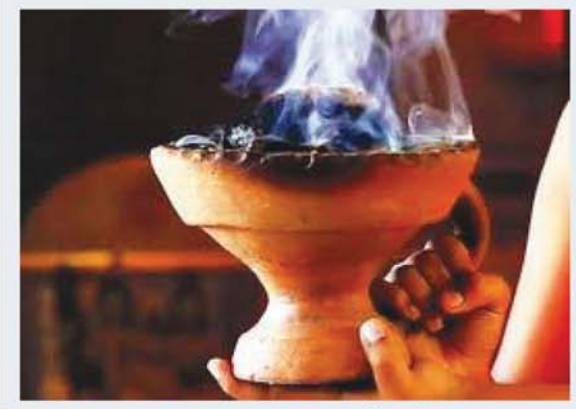

घर में जलाएं कपूर और लौंग

शाम के समय पूजा-पाठ के दौरान लौंग और कपूर जलाने की परंपरा काफी सदियों पुरानी है। आज भी बड़े-बुजुर्ग शाम के समय घर के दीपक में कपूर और लौंग जलाकर उसकी धूनी देते हैं। इन दोनों में ही एंटी-बैक्टिरियल गुण पाए जाते हैं, जिसकी वजह से घर में मौजूद रोगाणुओं का नाश होता है और सेहत को भी काफी फायदा पहुंचता है। कपूर और लौंग की खुशबू स्ट्रेस बस्टर की तरह भी काम करती है। ऐसे में शाम को कपूर और लौंग की धूनी देने से मानसिक शांति भी मिलती है।

तेज पत्ते का धुआं भी है काफी फायदेमंद

रसोई में रखे तेज पत्ते का धुआं करने से भी काफी फायदा मिलता है। इसका स्ट्रांग अरोमा माइंड को रिलैक्स कर स्ट्रेस कम करने में मदद करता है। इसके अलावा तेज पत्ते का धुआं इन्हेल करने से इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है। साथ ही इसमें नेचुरल एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो सूजन कम करने में भी काफी फायदेमंद होते हैं। रोज शाम तेज पत्ते की धूनी देने से घर की नेगेटिविटी भी दूर होती है और एक सकारात्मक और खुशनूमा माहौल बना रहता है।

जींस में न्यू लुक पाने के लिए स्टाइल करें ये फुल स्लीव्स वाली कुर्ती

कुर्ती कई सारे खास मौके पर वियर करने के लिए बेस्ट ऑप्शन है साथ ही महिलाएं इन्हें जींस के साथ भी स्टाइल करना पसंद करती हैं। वहीं अगर आप जींस में न्यू लुक चाहती हैं साथ ही ये भी चाहती हैं कि आपका लुक ब्यूटीफुल नजर आए तो आप फुल स्लीव्स वाली कुर्ती जींस के साथ स्टाइल कर सकती हैं। फुल स्लीव्स वाली कुर्ती न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट है। वहीं जींस के साथ इस तरह की कुर्ती को वियर करने के बाद आपका लुक बेहद ही अलग नजर आएगा।

साइड कट फुल स्लीव्स वाली कुर्ती
न्यू लुक पाने के लिए आप इस तरह की कुर्ती जींस के साथ वियर कर सकती हैं। यह कुर्ती साइड कट और फुल स्लीव्स में है और इस तरह की कुर्ती में आपका लुक बेहद ही खूबसूरत नजर आएगा। इस तरह की न्यू डिजाइन वाली कुर्ती आपको कई सारे कलर और डिजाइन ऑप्शन के साथ मिल जाएगा और इसे आप 1,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस तरह की कुर्ती के साथ आप झुमके और फुटवियर में मोजरी पहन सकती हैं।

प्रिंटेड कुर्ती
न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप इस तरह की प्रिंटेड कुर्ती भी स्टाइल कर सकती हैं। यह कुर्ती प्रिंटेड डिजाइन में है और इस तरह की कुर्ती को आप कई सारे डिजाइन ऑप्शन के साथ खरीद सकती हैं। इस तरह की कुर्ती आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों पर 1,000 से 2,000 रुपये की कीमत में मिल सकती हैं। इस कुर्ती को आप ब्लैक जींस के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इसी के साथ इस कुर्ती के साथ आप फुटवियर में मोजरी पहन सकती हैं।

कॉटन कुर्ती
फुल स्लीव्स में आप इस तरह की कुर्ती भी स्टाइलिश लुक पाने के लिए वियर कर सकती हैं और इस कुर्ती में आपका लुक रॉयल नजर आएगा। इस तरह की कुर्ती आपको कई सारे कलर में मिल सकती हैं जो आप न्यू लुक पाने के लिए जींस के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

सर्दियों में मेटाबॉलिज्म बढ़ाने के लिए करें ये काम

सेहतमंद रहने के लिए मेटाबॉलिज्म का फास्ट होना जरूरी है। मेटाबॉलिज्म वह प्रोसेस है जो हमारे द्वारा ग्रहण की कैलोरी को जलाकर उसे ऊर्जा में बदलने का काम करता है। मेटाबॉलिज्म स्लो होने से पाचन तंत्र पर असर पड़ता है। वजन बढ़ सकता है वहीं अक्सर सर्दियों में में हम स्लो मेटाबॉलिज्म का सामना करते हैं। अगर आप भी चाहते हैं कि आपका मेटाबॉलिज्म सुचारू रूप से काम करें तो हम आपको 5 ऐसे उपाय बता रहे हैं जिससे आपको फायदा मिल सकता है।

▸▸ सर्दियों में गर्म पानी पिएं, इसके साथ ही आप हर्बल चाय पिएं, इससे शरीर में गर्मी भी बनी रहती है और मेटाबॉलिज्म भी बूस्ट होता है।

▸▸ सर्दियों में प्रोटीन युक्त आहार जैसे अंडे, मांस, पनीर वगैरह लेने से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है। शरीर प्रोटीन को पचाने में ज्यादा कैलोरी खर्च करता है। इसके लिए शरीर अधिक ऊर्जा की मांग करता है,इससे मेटाबॉलिज्म स्वाभाविक रूप से बढ़ता है।

▸▸ सर्दियों में हमारी गतिविधि कम हो जाती है। इस वजह से मेटाबॉलिज्म पर असर पड़ता है। ऐसे में आप एक्सरसाइज करें, योग, स्ट्रेचिंग, वेट लिफ्ट, या वॉक करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, इससे मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा मिलता है। इससे आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करते हैं।

▸▸ इसके अलावा आप 7 से 8 घंटे की अच्छी नींद लें, इससे शरीर के सेल्स रिपेयर होते हैं, हार्मोन नियंत्रण में रहता है, ऊर्जा के स्तर में बढ़ावा होता है। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है। दरअसल इसे ऐसे समझा जा सकता है कि जब आप कम देर सोते हैं या रात में जागे रहते हैं तो आप बेवजह स्नैकिंग करते हैं जिससे आप अतिरिक्त कैलोरी का सेवन करते हैं, इससे मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है, नींद की कमी से सुस्ती रहती है।

जानिए किन विटामिन्स की वजह से झड़ते हैं बाल

पुरुष हो या महिला, बाल झड़ने की समस्या से हर कोई परेशान है। बाल झड़ने और उनके डैमेज होने के कई कारण हो सकते हैं। लोग हेयर फॉल रोकने के लिए क्या कुछ नहीं करते। कोई तेल लगाता है तो कोई दवाएं खाता है; पर हेयर एक्सपर्ट कहते हैं कि बालों को ठीक करने के लिए उनको अंदर व बाहर से पोषण देना बहुत जरूरी है। इसलिए यह जानना आवश्यक है कि किन विटामिन्स की कमी से बाल झड़ने शुरू होते हैं...

बालों के लिए जरूरी विटामिन्स

<u>विटामिन डी-</u> विटामिन डी की कमी से शरीर में कैल्शियम कम होने लगता है। कैल्शियम और फॉस्फेट बनने में कमी हो तो बालों के विकास में बाधा आ जाती है। इससे बाल कमजोर होने लगते हैं। इसके लिए सुबह की धूप में बैठें।

<u>विटामिन ए-</u> विटामिन ए सीबम का उत्पादन करने में मददगार होता है। अगर शरीर में इसका उत्पादन ना हो या बाधित हो तो स्कैल्प में रूखापन आ जाता है। इसके लिए गाजर, पालक, ब्रोकोली, शकरकंद, अंडे, डेयरी उत्पादों का सेवन कर सकते हैं।

<u>बी कॉम्प्लेक्स-</u> ये विटामिन अमीनो एसिड बनाता है। रेड ब्लड सेल्स के उत्पादन में भी योगदान करता है। इसकी कमी हो तो बाल खराब होने लगते हैं। इसके लिए डाइट में दूध, केले, दही, ड्राई फ्रूट्स, अंडे आदि शामिल करें।

<u>विटामिन सी-</u> स्किन और बालों पर विटामिन सी का बहुत असर होता है। विटामिन सी की कमी हो,तो स्किन से चमक चली जाती है और बाल बेजान होने लगते हैं। इसके लिए नींबू, कीवी, संतरा आदि को डाइट में शामिल करें।

<u>विटामिन बी12-</u> शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाए तो बाल झड़ने लगते हैं। इसके लिए दूध व दूध से बने उत्पादों का सेवन करना चाहिए।

वर्कआउट के बाद स्ट्रेचिंग करना क्यों है बेहद जरूरी

स्ट्रेचिंग करने से आपको क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं

मसल्स को करें रिलैक्स:
स्ट्रेचिंग करना वर्कआउट के बाद मसल्स को रिलैक्स करने का एक बेहतर तरीका है। जब भी हम वर्कआउट करते हैं तो उसके बाद मसल्स टाइट महसूस होने लगती हैं। लेकिन जब आप स्ट्रेचिंग करती हैं तो इससे मसल्स रिलैक्स हो जाती हैं और साथ-साथ फ्लेक्सिबिलिटी भी बढ़ती है, जिससे आप काफी आराम महसूस करती हैं।

वर्कआउट सोरनेस को करे कम: वर्कआउट सोरनेस एक आम समस्या है, जिसका सामना हम सभी करते हैं। आपने महसूस किया होगा कि वर्कआउट करने के बाद अगले दिन या दो दिन बाद शरीर में बहुत अधिक दर्द व टाइटनस का अहसास होता है। यह वास्तव में वर्कआउट के बाद मसल्स में होने वाली सोरनेस है। लेकिन जब आप वर्कआउट के बाद स्ट्रेचिंग करती हैं तो इससे आपको काफी मदद मिलती है। ऐसा इसलिए है, ये ब्लड फ्लो को बढ़ाता है और आपकी मसल्स को आराम पहुंचाकर सोरनेस को कम करता है।

बेहतर होता है पोश्चर: आपको शायद अंदाजा ना हो, लेकिन स्ट्रेचिंग से आपके बॉडी पोश्चर पर भी काफी असर पड़ता है। अगर आपकी मसल में टाइटनेस है तो इससे आपका पोश्चर बिगड़ सकता है। लेकिन जब आप स्ट्रेचिंग करती हैं तो इससे आपके शोल्डर, नेक और बैक एरिया की टेंशन रिलीज होती है। इस तरह आपका पोश्चर बेहतर होता है और आपको गलत पोश्चर की वजह से होने वाले दर्द की शिकायत नहीं होती।

चोटों से होता है बचाव: स्ट्रेचिंग करने से चोट लगने की संभावना भी काफी कम हो जाती है। दरअसल, जब मसल्स टाइट होती हैं, तो उन्हें चोट लगने का खतरा ज्यादा होता है। इस स्थिति में स्ट्रेन या पुल्स आदि की संभावना रहती है। लेकिन जब आप स्ट्रेचिंग करती हैं तो इससे मसल्स की फ्लेक्सिबिलिटी बेहतर होती है और आप रोजाना की मूवमेंट्स बिना किसी परेशानी के कर सकती हैं।

सर्दियों का मौसम गेंदे के पौधे में भर-भर कर फूल आते हैं। इसलिए अक्सर लोग इसकी अच्छी केयर करने का प्रयास करते हैं। हालांकि, कुछ लोग घर और ऑफिस के कामों में इतने उलझ जाते हैं कि कभी-कभी वे पौधे की अच्छी देखभाल नहीं कर पाते हैं, जिससे गेंदे का पौधा सूखने लगता है और उसमें फूल आने भी बंद हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में आज हम आपको गेंदे के पौधे की सही देखभाल के लिए एक ऐसा तरीका बताने वाले हैं, जिसे फॉलो करते ही आपको पॉजिटिव असर दिखने लग सकता है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं गेंदे के पौधे के लिए सरसों, पालक और पानी के घोल डालने की, जो पौधे की ग्रोथ के लिए बेहद कारगर साबित हो सकता है। आइए जानते हैं कि ऐसा करने से पौधे पर क्या प्रभाव पड़ सकता है।

गेंदे के पौधे को हरा-भरा और हेल्दी रखने के उपाय

गेंदे के लाल, पीले और नारंगी फूल दिखने में इतने खूबसूरत लगते हैं कि हर कोई अपने गार्डन में इसे लगाना पसंद करते हैं। यह न सिर्फ बालकनी और बगीचे की खूबरती बढ़ाने का काम करते हैं, बल्कि यह अपनी खुशबू से घर में सकारात्मकता का संचार भी करते हैं।

<u>सरसों का पाउडर या खली –</u> पौधे को नाइट्रोजन और जरूरी पोषक तत्व देने के लिए।

<u>पालक के पत्ते –</u> इसमें आयरन और मिनरल्स होते हैं जो मिट्टी की गुणवत्ता सुधारते हैं।

<u>पानी –</u> घोल को तैयार करने के लिए।

घोल बनाने का तरीका
एक लीटर पानी में 50-60 ग्राम सरसों की खली डालें। इसे 24 घंटे के लिए छोड़ दें ताकि यह पूरी तरह से घुल जाए। ताजे पालक के पत्तों को ब्लेंडर में पीसकर इसका 100 मिलीलीटर रस निकाल लें। सरसों के खली वाले पानी में पालक का रस मिला दें। इस मिश्रण को अच्छे से मिलाएं।

गेंदे की जड़ों में ऐसे डालें यह होममेड घोल

- इस घोल को सीधे गेंदे के पौधे की जड़ों में डालें।
- ध्यान रखें कि मात्रा सीमित हो, हर पौधे में 200-300 मिलीलीटर घोल डालें।
- यह घोल हर 15 दिनों में एक बार डाल सकते हैं।
- ज्यादा मात्रा या बार-बार डालने से पौधे को नुकसान हो सकता है।

सर्व ब्राह्मण मित्र सखी ने उत्साह के साथ मनाया नववर्ष मिलन समारोह

भक्ति और संकल्प के साथ शुरुआत

दुर्ग/राजनांदगांव। समाज में एकता और संस्कारों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 'सर्व ब्राह्मण मित्र सखी' द्वारा नववर्ष 2026 का भव्य मिलन समारोह मंगट्टा स्थित लिलीपुट रिसोर्ट में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन में संगठन की लगभग 50 सखियों ने शिरकत की, जिससे पूरा वातावरण सौहार्द और उत्साह से भर गया।

भक्ति और संकल्प के साथ शुरुआत- कार्यक्रम का शुभारंभ सखियों द्वारा पहाड़ी माता मंदिर एवं काली माता मंदिर में विधि-विधान से पूजन-दर्शन के साथ किया गया। माता रानी का आशीर्वाद लेने के पश्चात विप्र नारी शक्ति ने नववर्ष के लिए अपनी कार्ययोजना साझा की। इस दौरान आगामी वर्ष में किए जाने वाले सामाजिक, सांस्कृतिक और संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई, ताकि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सके।

मनोरंजक गतिविधियों ने बांधा समां- दर्शन और बैठक के उपरांत मनोरंजन का दौर शुरू हुआ। सखियों ने मधुर भजनों की प्रस्तुति दी और विभिन्न मनोरंजक खेलों का आनंद लिया। आपसी संवाद और हंसी-ठिठोली के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में एकता और सहयोग का अनूठा संगम देखने को मिला।

इनका रहा विशेष योगदान- इस गरिमामयी मिलन समारोह की मुख्य आयोजक सरोज चौबे, उर्मिला उपाध्याय, पूनम मिश्रा, कामिनी तिवारी, मृदुला शुक्ला, अंजू त्रिपाठी, अनीता पर्वत और सुधा शर्मा रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी उपस्थित विप्र सखियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजन के अंत में सभी ने एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। इस मिलन समारोह ने न केवल नववर्ष के स्वागत को यादगार बनाया, बल्कि नारी शक्ति और सामाजिक एकजुटता का एक सशक्त संदेश भी प्रसारित किया।

बायोमेट्रिक सिस्टम के साथ यातायात सुविधाये भी बढाये बीएमएस

भिलाई। आज भिलाई इस्पात मजदूर संघ पदाधिकारी प्रतिनिधि मंडल सीजीएम सेफ्टी श्री सतपति से मुलाकात कर सुरक्षा के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जिसमें संयंत्र के अंदर रोड की दशा में सुधार किया जाए एवं में गेट में हो रही जाम की स्थिति से निपटारा के लिए उचित कदम उठाने की मांग की गई जिसके अंतर्गत यह सजेशन दिया गया कि एचआरडीसी के बाजू में बाइक स्टैंड में रखने के पश्चात ठेका श्रमिकों एवं सुपरवाइजर के द्वारा पैदल अपोजिट दिशा में आने से जो संयंत्र के अंदर कार्मिक कार्य एवं बाइक से प्रवेश कर रहे हैं उसे समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है उसे दूर करने के लिए पैदल ठेका श्रमिकों को आउट गेट के एक गेट से पैदल प्रवेश दिया जा सकता है जिससे संभावित दुर्घटना को डाला जा सकता है. उप महासचिव हरिशंकर चतुर चतुर्वेदी ने कहा कि संयंत्र के अंदर सुरक्षा मानक अनुरूप में सुधार तो है मगर गेट के बाहर स्थिति और प्रतिकूल होते जा रही है बायोमेट्रिक के कारण लोग आपाधापी में गाड़ियों की स्पीड बढ़ गई है और लगातार दुर्घटना की संभावना बनी हुई है उप महासचिव वशिष्ठ वर्मा ने कहा कि बोरिया गेट में फिर वही स्थिति निर्मित हो रही है पहले पुलिस कर्मियों के साथ सुरक्षा के व्यापक प्रबंध शुरुआत में हुए थे मगर फिर वही स्थिति बन रही है संयंत्र के भीतर प्लेटमिल मोड पर धूल बहुत ज्यादा रहती है उसे हटवाया जान चाहिए पर पूर्व अध्यक्ष भिलाई इस्पात मजदूर संघ के आईपी मिश्रा ने कहा कि बीएसपी कर्मचारियों व ठेका कमचारियो पर नियम सबके लिए बराबर होनी चाहिए बैठक में प्रमुख रूप से आईपी मिश्रा शारदा गुप्ता विनोद उपाध्याय हरिशंकर चतुर्वेदी वशिष्ठ वर्मा उपस्थित थे द्य

रायपुर कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह को लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रधान संपादक एवं चेयरमेन संजय तिवारी ने भेंट की कैलेण्डर

लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज के कैलेण्डर के प्रकाशन पर रायपुर कलेक्टर बधाईयों के साथ शुभकामनाएं दी

दुर्ग/रायपुर। लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज का वार्षिक कैलेण्डर हिन्दू नववर्ष, धार्मिक तिथियों तीज-त्योहारों एवं ,शासकीय अवकाशों के साथ प्रकाशित की गई है।

जिसे लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रधान संपादक एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज दुर्ग के चेयरमेन संजय तिवारी अपनी टीम के साथ रायपुर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर, रायपुर जिला के कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के कार्यालय पर जाकर नव वर्ष की बधाई के साथ नव वर्ष की प्रकाशित कैलेण्डर उन्हें भेंट किया।

इस दौरान कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने लोकतंत्र प्रहरी अखबार सहित कैलेण्डर के प्रकाशन पर प्रधान संपादक और उनकी टीम को बधाईयों के साथ शुभकामनाएं दी। और कैलेण्डर के ले-आउट की तारीफ की।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर कमल किशोर शर्मा, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाज सेवी विष्णु पाठक, एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस. आर. हॉस्पिटल एवं कॉलेज के चेयरमैन संजय तिवारी व ओम नम शिवाय सहित अन्य उपस्थित थे।

गौरतलब है कि , कैलेंण्डर के ले-आउट और संपूर्ण तरह जानकारियों से भरे होने की वजह से शहरवासियों के बीच काफी कम समय में लोकप्रिय हो रहा है।आज दुर्ग भिलाई,रायपुर,राजनांदगांव सहित अन्य शहरों के शासकीय दफ्तरों के अलावा प्रतिष्ठानों सहित घरों में लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज की प्रकाशित कैलेण्डर का लेआउट चर्चित हो रहा है।

राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय को लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रधान संपादक एवं चेयरमेन संजय तिवारी ने भेंट की कैलेण्डर

लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज के कैलेण्डर के प्रकाशन पर राजनांदगांव सांसद बधाईयों के साथ शुभकामनाएं दी

दुर्ग/राजनांदगांव। लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज का वार्षिक कैलेण्डर हिन्दू नववर्ष, धार्मिक तिथियों तीज-त्योहारों एवं ,शासकीय अवकाशों के साथ प्रकाशित की गई है।

जिसे लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रधान संपादक एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज दुर्ग के चेयरमेन संजय तिवारी अपनी टीम के साथ राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय के कार्यालय पर जाकर नव वर्ष की बधाई के साथ नव वर्ष की प्रकाशित कैलेण्डर उन्हें भेंट किया।

इस दौरान सांसद संतोष पांडेय ने लोकतंत्र प्रहरी अखबार सहित कैलेण्डर के प्रकाशन पर प्रधान संपादक और उनकी टीम को बधाईयों के साथ शुभकामनाएं दी। और कैलेण्डर के ले-आउट की प्रशंसा की। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर कमल किशोर शर्मा, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाज सेवी विष्णु पाठक, एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस. आर. हॉस्पिटल एवं कॉलेज के चेयरमैन संजय तिवारी व ओम नम शिवाय सहित अन्य उपस्थित थे। गौरतलब है कि , कैलेंण्डर के ले-आउट और संपूर्ण तरह जानकारियों से भरे होने की वजह से शहरवासियों के बीच काफी कम समय में लोकप्रिय हो रहा है।आज दुर्ग भिलाई,रायपुर,राजनांदगांव सहित अन्य शहरों के शासकीय दफ्तरों के अलावा प्रतिष्ठानों सहित घरों में लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज की प्रकाशित कैलेण्डर का लेआउट चर्चित हो रहा है।

नगर निगम रिसाली में महापौर परिषद की बैठक

- संयंत्र के आवासों का नियमितीकरण करने की कार्यवाही
- भिलाई के साथ सहभागिता निभाएगा रिसाली

दुर्ग/रिसाली। 16 वर्ष पुराने भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा बनाए आवासों के नियमितीकरण के मामले में नगर पालिक निगम रिसाली और भिलाई निगम मिलकर नोटिस व अन्य कानूनी कार्यवाही पूर्ण करेंगे। इसके लिए रिसाली निगम लिखित में नगर पालिक निगम भिलाई को सहमति देगा। बुधवार को महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता में हुई परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

उल्लेखनीय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र विभिन्न क्षेत्र में आवासीय एवं व्यसायिक निर्माण किया है। इसके लिए किसी भी प्रकार की अनुमति संयंत्र ने नहीं ली थी। वर्तमान मे रिसाली निगम भिलाई से अलग हो चुका है। रिसाली निगम क्षेत्र में भी टाऊनशिप का क्षेत्र शामिल है। यही वजह है कि नियमितीकरण के लंबित मामले को पूर्ण कर प्रकरण को सेटलमेंट करने रिसाली भिलाई निगम का सहयोग करने का निर्णय लिया है। संपूर्ण कार्यवाही का नेतृत्व नगर पालिक निगम भिलाई करेगा। इसके लिए नगर पालिक निगम रिसाली के महापौर परिषद ने यह निर्णय लिया है। महापौर परिषद की बैठक में एमआईसी सदस्य जहीर अब्बास, अनिल देशमुख, सनीर साहू, रोहित धनकर, रंजिता बेनुआ समेत आयुक्त मोनिका वर्मा कार्यपालन अभियंता सुनिल दुबे समेत अन्य विभाग प्रमुख मौजूद थे।

सफाई ठेका के लिए अनुमति लेगा निगम- वर्तमान में शहर की सफाई व्यवस्था के लिए चार हिस्सों में विभक्त कर एजेंसी को कार्य आदेश जारी किया गया है। महापौर परिषद ने निर्णय लिया है कि आने वाले वर्ष में एक कार्य आदेश जारी करने के पूर्व अनुमति प्रस्ताव शासन को भेजा जाए। वहीं व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए परिषद के सद्स्यों ने पूर्व में हुए एजेंसी के कार्य आदेश में समय सीमा को बढ़ाने का निर्णय लिया है।

एनएसपीसीएल को भेजेगा प्रस्ताव- महापौर परिषद ने निर्णय लिया है कि पुरैना में विभिन्न विकास कार्य को एनएसपीसीएल के सीएसआर मद से कराने प्रस्ताव भेजा जाए। खास बात यह है कि इसके लिए पूर्व में विधायक ने भी एनएसपीसीएल के लिए पत्र लिखा है। बुधवार को हुई बैठक में परिषद ने निर्णय लिया कि क्षेत्रीय पार्षद भी इस कार्य के लिए एनएसपीसीएल को पत्र पृथक से लिखे।

समाजसेवी अग्रवाल परिवार ने विधायक रिकेश सेन की अपील पर स्वर्ग रथ वाहन भेंट किया

- विधायक ने 'स्वर्ग रथ' को दिखाई हरी झंडी

भिलाई नगर, 07 जनवरी। समाजसेवी अग्रवाल परिवार ने विधायक रिकेश सेन की अपील पर स्वर्ग रथ वाहन भेंट किया । अब क्षेत्रवासियों को अंतिम संस्कार हेतु वाहन के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। जिसका लाभ भिलाईवासी वैशाली नगर विधायक कार्यालय में सूचना देकर ले सकेंगे।

विधायक रिकेश सेन ने जन-सेवा के लिए 'स्वर्ग रथ' सुविधा आज भिलाइवासियों को समर्पित करते हुए कहा कि अग्रवाल परिवार के सहयोग से अब भिलाई के प्रमुख मुक्तिधामों के लिए यह वाहन उपलब्ध रहेगा।

वैशाली नगर विधानसभा में आयोजनों के लिए फिल्टर्ड वाटर, फ्री ब्लड टेस्ट, श्रीराम रसोई, वेंटिलेटर एम्बुलेंस, हेलमेट और कंबल बैंक सुविधा के बाद विधायक रिकेश सेन ने बुधवार को ÷स्वर्ग रथ÷ सुविधा का शुभारंभ किया।

विधायक ने बताया कि 10 अगस्त अपने जन्मदिन पर उन्होंने बुके-केक लाने से मना करते हुए अपील की थी कि सक्षम लोग अगर मुझे उपहार देना ही चाहते हैं तो चिकित्सा से संबंधित उपकरण, खेल सामग्री आदि दें ताकि इन्हें जरूरतमंदों तक वो पहुंचा सकें। नतीजतन विधायक को उपहार में दो वेंटिलेटर एम्बुलेंस सहित बड़ी मात्रा में खेल सामाग्री मिली। इसी अपील पर समाजसेवी अग्रवाल परिवार ने वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र की सेवार्थ एक स्वर्ग रथ दिया है। जिसे जनसेवार्थ भिलाइवासियों को वो समर्पित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र और भिलाईवासियों की आवश्यकता पर स्वर्ग रथ विधायक कार्यालय को सूचना देकर लिया जा सकेगा। यह वाहन केवल भिलाई के राम नगर, रिसाली, दुर्ग मुक्तिधाम, छावनी मुक्तिधाम के लिए उपलब्धता के आधार पर जरूरतमंद तक पहुंचेगा। उन्होंने जनसेवार्थ कार्य के लिए अग्रवाल परिवार को धन्यवाद दिया और हरी झंडी दिखा कर जनसेवार्थ स्वर्ग रथ सेवा को समर्पित किया।

गर्मी में पेयजल संकट से निपटने तैयारी शुरू, आयुक्त ने अधिकारियों को दिए निर्देश

सुचारू सप्लाई के लिए कार्य योजना बनाने को लेकर नगर निगम में हुई मीटिंग

राजनांदगांव। आने वाले गर्मी सीजन में पानी की समस्या न हो, शहर में पर्याप्त रूप से पेयजल की सप्लाई हो, इसके लिए निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने तकनीकी अधिकारियों एवं वाल्वमेन व पंप आपरेटरों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रीष्म ऋतु के पूर्व कार्य योजना बनाकर कार्य करे, जिससे वार्डो के सभी क्षेत्र में सुचारू पेयजल सप्लाई हो सके। आयुक्त विश्वकर्मा ने कहा कि सभी वाल्वमेन टंकी पूरा भरने पर वाल्व चालू करे तथा वाल्व खोलने के पश्चात पाईप लाईन आदि का अपने अपने क्षेत्र में जॉच करे और किसी भी परेशानी से संबधित अधिकारी को अवगत करायेगे तथा समय से वाल्व खोलना व बंद करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि वालमेनों को यह भी ध्यान रखना है कि टंकी भरते ही ओव्हर फ्लो होने पर बंद करना है, जिससे पानी वेस्ट न हो। आयुक्त ने पंप आपरेटरों से चर्चा कर किसी प्रकार की समस्या आने पर संबंधित अधिकारी से सम्पर्क कर अवगत कराने कहा। पंप खराब होने की जानकारी देने पर पंप सुधार कराने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किए। उन्होंने सभी वालमेनों से वाल्व लीकेज व खराब तथा चेम्बर खराब की जानकारी लिए और लीकेज वाल्व व चेम्बर मरम्मत करने खराब वाल्व चेंज करने के निर्देश दिए।

रिहायशी इलाके में घर के भीतर भड़की भीषण आग, दमकल कर्मियों ने पाया काबू

दुर्ग। दुर्ग जिले के मोहन नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक रिहायशी मकान में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। अग्निशमन दल की त्वरित कार्रवाई के कारण एक बड़ा हादसा टल गया और आग को पड़ोसी घरों में फैलने से रोक लिया गया। जानकारी के अनुसार, शायरा बानु के मोहन नगर स्थित निवास पर अचानक आग लग गई। घर से धुआं और लपटें उठती देख तत्काल इसकी सूचना दुर्ग अग्निशमन कार्यालय को दी गई। सूचना मिलते ही जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह के निर्देश पर दल प्रभारी शरद मेश्राम के नेतृत्व में एक दमकल टीम तत्काल मौके पर रवाना हुई।घटनास्थल पर भीषण धुएं और लपटों के बीच अग्निशमन कर्मी नागेश, धर्मेंद्र, खेमराज, डिव्हार, पवित्र और राहुल ने अदम्य साहस का परिचय दिया। टीम ने घर के भीतर घुसकर पानी की बौछारें की और एक गाड़ी पानी की मदद से आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

जांच में जुटी पुलिस- फिलहाल आग लगने का स्पष्ट कारण पता नहीं चल पाया है। मोहन नगर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। अग्निशमन विभाग की मुस्तैदी की सराहना की जा रही है, क्योंकि समय पर कार्रवाई न होने से आग आसपास के घने बसे घरों को भी चपेट में ले सकती थी।

निगम आयुक्त ने निर्माणाधीन पानी टंकी, सफाई व्यवस्था और उद्यानों का लिया जायजा

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने आज जोन-1 अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन पानी टंकी, आवासीय कॉलोनियों में सफाई व्यवस्था और उद्यानों में बच्चों के लिए लगाई गई खेल सामग्रियों का बारीकी से अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नेहरू नगर जोन-1 अंतर्गत चौहान ग्रीन वैली के समीप ई डब्लू एस हेतु प्रधानमंत्री आवास क्षेत्र में बन रही पानी टंकी का आयुक्त ने निरीक्षण किया। आयुक्त ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता को देखते हुए टंकी के साइज को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। इस टंकी के पूर्ण होने से क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों को नियमित और सुचारू पेयजल आपूर्ति का लाभ मिलेगा। निरीक्षण के दौरान आयुक्त खम्हरिया दीनदयाल कॉलोनी पहुंचे, जहाँ उन्होंने देखा कि कॉलोनी वासियों द्वारा घरों के ऊपर से कचरा फेंका गया है। इसे गंभीरता से लेते हुए आयुक्त ने स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली को तत्काल कचरा हटाने, नियमित सफाई के साथ पेनाल्टी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कॉलोनी में कड़ी कार्रवाई की जाए, जिनको साफ सफाई पसंद नहीं है । साथ ही उन्होंने कॉलोनी की पेयजल व्यवस्था की भी समीक्षा किए हैं। नेहरू नगर स्थित नमो उद्यान के सौंदर्यीकरण और बच्चों के मनोरंजन पर ध्यान देते हुए निगम द्वारा नई खेल सामग्रियां स्थापित की गई हैं। आयुक्त ने इनका निरीक्षण किया और उद्यान के बेहतर रखरखाव पर जोर दिया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com